Assistant Professor (College Edu. Deptt.) Exam-2025

Exam Date:- 16-12-2025

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 40
Number of Pages in Booklet : 40
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

CAP-25

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए । Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

950637

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड / Question Booklet No. & Barcode

Paper Code : 33

Paper – I
Sub : Philosophy-I

समय : 03:00 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03:00 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान हैं ।
- प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं । समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है ।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी । परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है ।**
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र **एक** ही उत्तर दीजिए । एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
4. **OMR** उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें ।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा ।
6. **ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक में करेक्शन पेन/व्हाईटनर/सफेदा का उपयोग निषिद्ध है ।**
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा** । गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है ।
8. **प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है ।**
9. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें । यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।**
10.* **प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है । इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है ।**
11. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है तो उसको अयोग्य माना जायेगा ।**
12. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा ।
13. **मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।**

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than **one** answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidates will themselves be responsible for filling wrong Roll No.
6. **Use of Correction Pen/Whitener in the OMR Answer Sheet is strictly forbidden.**
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
8. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
9. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
10.* **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
11. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions shall be disqualified.**
12. If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English Versions of the question, the English Version will be treated as standard.
13. **Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt with as per rules.**

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would be liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें । वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे । परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी ।

1. निम्नलिखित में से कौन प्रत्यक्ष को "इन्द्रियार्थ-सन्निकर्ष-जन्यं-ज्ञानम्" के रूप में ग्रहण नहीं करते ?
   (1) कणाद (2) कुमारिल भट्ट
   (3) गौतम (4) गंगेश
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

2. मीमांसकों के प्रमाण्यवाद के अनुसार 'विपरीतव्यवहारज' ज्ञान की शर्त है, जिसका अर्थ है
   (1) जो ज्ञान को प्रमाणिक/वैध बनाती है ।
   (2) जो ज्ञान को अप्रमाणिक/अवैध बना भी सकती है और नहीं भी बना सकती ।
   (3) एक स्थिति जिसमें ज्ञान अपने विषय-वस्तु को उद्भासित नहीं कर पाता ।
   (4) एक ऐसी स्थिति जिसमें ज्ञान अपेक्षित फल नहीं दे पाता ।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

3. मीमांसक सुचरितमिश्र के अनुसार 'संवाद'
   (1) वैध है क्योंकि यह इन्द्रीय-विषय सन्निकर्ष पर आश्रित है ।
   (2) वैध है क्योंकि यह अनुमान पर आश्रित है ।
   (3) अवैध है क्योंकि यह परतः प्रामाण्यता पर आश्रित है ।
   (4) अवैध है क्योंकि यह नवीन ज्ञान प्रकट नहीं करता है ।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

4. रघुनाथ में विशेष विषयक कथनों पर विचार कीजिए
   A. रघुनाथ अन्त्य विशेष का खण्डन करते हैं ।
   B. यह धारणा धर्म-धर्मि-भेद के सिद्धान्त से असंगत है ।
   (1) केवल A सही है ।
   (2) केवल B सही है ।
   (3) A तथा B दोनों सही हैं तथा B, A की व्याख्या करता है ।
   (4) A तथा B दोनों एकल सही हैं लेकिन B, A की व्याख्या नहीं करता है ।
   (5) अनुत्तरित प्रश्न

950637

1. Who among the following does not subscribe to the idea of Perception as Indriyartha-Sannikarsha-Janyam-Jnanama ?
   (1) Kanada (2) Kumarila Bhatta
   (3) Gautama (4) Gangesha
   (5) Question not attempted

2. In the light of validity of knowledge according to Mimamsakas 'Viparitavyavahaaraja' is a condition of knowledge
   (1) that leads to validity of knowledge.
   (2) may or may not lead to invalidity of knowledge.
   (3) a condition whereby knowledge fails to reveal its object.
   (4) a condition whereby knowledge fails to lead up to expected results.
   (5) Question not attempted

3. According to Mimānsaka Sucharita Mishra 'Samvāda' is
   (1) Valid because it depends on sense object contact.
   (2) Valid because it depends on inference.
   (3) Invalid because it depends on extrinsic validation.
   (4) Invalid because it does not reveal new knowledge.
   (5) Question not attempted

4. Consider the following statements about the conception of Viśeṣa in Raghunāthā :
   A. Raghunātha refutes the conception of antya-viśeṣa
   B. The conception is incoherent with Dharma-dharmi-bheda principle.
   (1) Only A is correct.
   (2) Only B is correct.
   (3) Both A & B are correct, and B is the correct explanation of A.
   (4) A & B are individually correct but B is not an explanation of A.
   (5) Question not attempted

5. जैन दर्शन के अनुसार, वस्तुओं को मात्र सामान्य-दृष्टि से समझना क्या कहलाता है ?
(1) समभिरूढ्नय (2) नैगमनय
(3) संग्रहनय (4) व्यवहारनय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

6. न्याय और मीमांसा दर्शन इस बात पर असहमत हैं कि
(1) शब्दों में अर्थ बोध की स्वाभाविक शक्ति है ।
(2) मात्र संस्कृत भाषा के शब्द ही प्राथमिक रूप से अर्थपूर्ण हैं ।
(3) संस्कृत के अतिरिक्त अन्य भाषाओं के शब्द प्राथमिक रूप से अर्थहीन हैं ।
(4) संस्कृत भाषा के शब्दों के अर्थ का निर्धारण ईश्वरकृत है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

7. न्याय दर्शन के अनुसार शब्द के अर्थ के निर्धारण के प्रकार हैं
(1) मात्र अभिधा
(2) अभिधा और लक्षणा
(3) अभिधा, लक्षणा और व्यंजना
(4) अभिधा, लक्षणा व्यंजना और तात्पर्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

8. "आग से सींचना" शब्दों का समूह न्याय के अनुसार वाक्य क्यों नहीं है ?
(1) क्योंकि इसमें आकांक्षा का अभाव है ।
(2) क्योंकि इसमें योग्यता का अभाव है ।
(3) क्योंकि इसमें सन्निधि का अभाव है ।
(4) क्योंकि इसमें आन्तरिक संबंध का अभाव है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

9. जैन दर्शन के अनुसार कर्म बंध होते हैं
(1) 4 प्रकार (2) 6 प्रकार
(3) 12 प्रकार (4) 10 प्रकार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

5. The view of looking at things merely from the most general point of view, according to Jainism is known as
(1) Sambhiruddhanaya
(2) Naigamnaya
(3) Samgrahanaya
(4) Vyavaharanaya
(5) Question not attempted

6. Nyaya and Mimamsa Philosophy disagree on this point that
(1) words have intrinsic power to mean.
(2) only Sanskrit words are primarily meaningful.
(3) non-Sanskrit words are meaningless in the primary sense.
(4) Sanskrit words and their meaning is creation of God.
(5) Question not attempted

7. According to Nyaya Philosophy the types of determining of the meaning of word is
(1) primary meaning of the word.
(2) primary meaning of the word and secondary meaning.
(3) primary meaning of the word, secondary and suggestive meaning
(4) primary, secondary, suggestive, meaning of the word and intention.
(5) Question not attempted

8. The group of the words "irrigating with fire" is not considered a sentence, according to Nyaya because
(1) It lacks Akanksha.
(2) It lacks Yogyata.
(3) It lacks Sannidhi.
(4) It lacks internal relation.
(5) Question not attempted

9. According to Jainism Karmabandh are of
(1) 4 types (2) 6 types
(3) 12 types (4) 10 types
(5) Question not attempted

950637

10. न्याय के संदर्भ में, अनुपयुक्त को पहचानें
(1) स्वप्न में हमारा ज्ञान एक अयथार्थ स्मृति है ।
(2) सभी ज्ञान, स्मृति भी, किसी यथार्थ वस्तु को इंगित करते हैं ।
(3) स्वप्न, यथार्थ वस्तु का अयथार्थ स्मरणात्मक प्रतिनिधित्व है ।
(4) स्मृति, प्रत्यभिज्ञा है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

11. निम्नलिखित में से कौन सा सिद्धान्त यह मानता है कि "पर्वत पर धुँआ है" ? वाक्य में "पर्वत" शब्द स्वतन्त्र अर्थ रखता है ।
(1) शब्दार्थवाद (2) शब्दब्रह्मवाद
(3) अभिहितान्ववाद (4) अन्विताभिधानवाद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

12. वेदान्तियों के अनुसार बाह्यवस्तु की प्रत्यक्ष प्रक्रिया, निम्नलिखित में से कौन सी प्रक्रिया का भाग नहीं है ?
(1) अन्तःकरण, इन्द्रियों के द्वारा बाह्य वस्तु तक जाता है ।
(2) वस्तु तक जाने पर, अन्तःकरण उस वस्तु का आकार लेता है ।
(3) वृत्ति, आत्मा द्वारा प्रकाशित होती है ।
(4) इस प्रत्यक्ष प्रक्रिया में अन्तःकरण, आत्मा से भिन्न सत्ता रखता है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

13. जैन मतानुसार, स्याद्वाद प्रमुख रूप से है
(1) एक तत्त्वमीमांसीय दृष्टिकोण
(2) एक ज्ञानमीमांसीय सिद्धान्त
(3) ज्ञान के असम्भव होने का कथन
(4) नैतिक स्वार्थवाद के पक्ष में एक तर्क
(5) अनुत्तरित प्रश्न

10. Find the odd out in the light of Nyaya :
(1) In dreams our cognitions are false memory.
(2) All knowledge, including dream, refer to some real object.
(3) Dream is a false memorial representation of the real.
(4) Memory is Pratyabhijna (recognition)
(5) Question not attempted

11. Which of the following theories holds that in the sentence "There is smoke on the hill", the word 'hill' has an independent meaning ?
(1) Sabdarthavada
(2) Sabdabrahmavads
(3) Abhihitānvayavāda
(4) Anvitabhidhanavada
(5) Question not attempted

12. According to Vedantins in the perception of an external object, what among the following does not belong to the process ?
(1) The Antahkarana goes out to the object through the senses.
(2) On reaching the object it assumes the form of the object.
(3) The Vritti/form is illuminated by the Atman.
(4) The Antahkaran remains a separate identity from the Atman during the empirical process.
(5) Question not attempted

13. According to Jainism, Syādavāda is primarily
(1) A metaphysical standpoint.
(2) An epistemological theory.
(3) A statement of impossibility of knowledge.
(4) An *argument for ethical egoism.*
(5) Question not attempted

950637

14. वेदान्त परिभाषा ग्रंथ के विषय में निम्न 2 कथनों पर विचार कीजिए :

A. सविकल्पक प्रत्यक्ष के प्रकरण में महावाक्यों की व्याख्या की गयी है ।

B. केदार – कुल्या – न्याय केवल श्रोत – प्रत्यक्ष पर लागू होता है ।

(1) केवल A सही है ।
(2) केवल B सही है ।
(3) A तथा B दोनों सही हैं ।
(4) न तो A और न ही B सही हैं ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

15. निम्न कथनों पर विचार कीजिये तथा सही कथन का चयन कीजिए :

A. ऐसे प्रकाश के अभाव में, जिससे अन्य सब प्रकाशित होता हो, जगदान्ध्य का प्रसंग, होगा : यह प्रकाशवाद पर वेदान्त का मत है ।

B. न्याय में अनुव्यवसाय ज्ञान का प्रकाशक है ।

(1) केवल A
(2) केवल B
(3) A तथा B दोनों
(4) न तो A और न ही B
(5) अनुत्तरित प्रश्न

16. भारतीय प्रमाणमीमांसा पर निम्न कथनों पर विचार कीजिए :

A. वैदल्यसूत तथा विग्रहव्यावर्तिनी, ज्ञानमीमांसा के विरुद्ध शून्यवाद के ग्रंथ हैं ।

B. न्याय के पदार्थों का सूत्रानुसारी खण्डन तत्त्वोपप्लवसिंह ग्रंथ में है ।

C. खण्डनखण्डखाद्य ग्रंथ में आश्वासन से कि जो शुक की भांति यह ग्रंथ-वाचन कर लेगा उसे मोक्ष मिलेगा ।

(1) A तथा C सही हैं । (2) A तथा B सहीं है ।
(3) केवल C सही है । (4) केवल A सही है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

14. Consider the following 2 statements for Vedānta – Paribhāṣā :

A. Mahāvākyās are explained in the treatment of Savikalpaka – Pratyakṣa

B. Kedara – Kulya – Nyāya is applicable only to auditory perception.

(1) Only A is correct.
(2) Only B is correct.
(3) Both A and B are correct.
(4) Both A & B are incorrect.
(5) Question not attempted

15. Consider the following statements and select the correct ones :

A. In the absence of such light which illuminates all else, 'jagadāndhya prasaṅga' will arise. This is the view of Vedānta on Prakāśavāda.

B. Anuvyavasāya is the illuminator of knowledge in Nyāya.

(1) Only A (2) Only B
(3) Both A & B (4) Neither A nor B
(5) Question not attempted

16. Consider the following statements about Indian epistemology :

A. Vaidalyasūtra & Vigrahavyāvartini are texts of Sūnyavāda against epistemology

B. The categories of Nyāya are rejected Sūtra-by-sūtra in Tattvopeplowsiṁha

C. 'One, who reads out this text like a parrot' will get Mokṣa is an assurance in Khaṇḍanakhaṇḍakhādye

(1) A & C are correct.
(2) A & B are correct.
(3) only C is correct.
(4) only A is correct.
(5) Question not attempted

17. भट्ट मीमांसा के विपरीत ख्यातिवाद सिद्धान्त के सम्बन्ध में निम्न में से असत्य है :

(1) भ्रमात्मक ज्ञान की सत्ता नहीं है । प्रत्येक ज्ञान यथार्थ है ।

(2) भ्रम एक यथार्थ वस्तु को अन्य वस्तु के रूप में प्रस्तुत करता है और वह वस्तु भी सत् है ।

(3) भ्रमात्मक प्रत्यक्ष में उद्देश्य और विधेय अंशों जैसे 'यह' और 'चाँदी' में जो अयथार्थ सम्बन्ध है वह यथार्थ प्रतीत होता है ।

(4) भ्रम एक भावात्मक मिथ्याज्ञान है जो दो वास्तविक और असम्बद्ध पदार्थों में अभेद समझने से होता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

18. जैन दर्शन के अनुसार प्रमाण और नय ज्ञान प्राप्ति के साधन हैं । जैन दर्शन यह स्वीकार नहीं करता कि नय

(1) प्रमाण द्वारा ज्ञात वस्तु के अंश का ज्ञान है ।

(2) अन्य नयों से सापेक्ष रूप से ही सम्यक् होता है ।

(3) अन्य नयों से निपरेक्ष रूप से सत्य है ।

(4) पूर्ण सत्य न होकर सत्यांश है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

19. "बर्फ ठण्डी दिखायी दे रही है" न्याय दर्शन के अनुसार यह ज्ञान है

(1) चाक्षुष प्रत्यक्ष (2) स्पर्शन प्रत्यक्ष

(3) योगज प्रत्यक्ष (4) ज्ञानलक्षण प्रत्यक्ष

(5) अनुत्तरित प्रश्न

17. Which of the following is false about Viparitakhyativad of Bhatt Mimamsa ?

(1) Error does not exist, every knowledge is true.

(2) Error manifests a real object in the form of a different object which too is real.

(3) In the illusory perception only, the relation between subject and predicate elements e.g. 'this' and 'silver' which is unreal and which appears to be real.

(4) Error is a positive misapprehension in which the mistake consists in identifying two unrelated real objects.

(5) Question not attempted

18. According to Jain Philosophy Praman and Naya are the means of correct knowledge. Jain Philosophy does not accept that Naya is

(1) Partial knowledge which has been known through Praman.

(2) Correct only when it is relative to other Nayas.

(3) True irrespective of other Nayas.

(4) Not complete truth but it is a partial truth.

(5) Question not attempted

19. "Ice is looking cold", according to Nyaya Philosophy, this knowledge is

(1) perception through eyes

(2) perception through touch

(3) perception of yogin

(4) perception by complication

(5) Question not attempted

20. मीमांसा दर्शन के अनुसार अनुमान के अवयव हैं
(1) प्रतिज्ञा, हेतु
(2) प्रतिज्ञा, हेतु, उदाहरण
(3) प्रतिज्ञा, हेतु, उदाहरण, उपनय
(4) प्रतिज्ञा, हेतु, उदाहरण, उपनय और निगमन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

21. जयंत भट्ट के अनुसार स्मृति के यथार्थ होने पर भी वह प्रमा क्यों नहीं है ?
(1) क्योंकि यह ज्ञेय पदार्थ के अभाव में उत्पन्न होती है ।
(2) क्योंकि यह संस्कार के अभाव में उत्पन्न होती है ।
(3) क्योंकि यह आत्म-ज्ञान के अभाव में उत्पन्न होती है ।
(4) क्योंकि यह मानस-प्रत्यक्ष के अभाव में उत्पन्न होती है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

22. न्याय दर्शन के अनुसार यह असत्य है कि
(1) भ्रमात्मक ज्ञान मिथ्या ज्ञान है ।
(2) भ्रम का विषय लौकिक प्रत्यक्ष द्वारा ज्ञात होता है ।
(3) भ्रम का विषय अलौकिक प्रत्यक्ष द्वारा ज्ञात होता है ।
(4) उसका भ्रम सम्बन्धी सिद्धान्त अन्यथाख्यातिवाद कहलाता है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

23. जैन दर्शन के अनुसार प्रमाण है
(1) इन्द्रियार्थ सन्निकर्ष, आप्त पुरुष के वचन आदि बाह्य सामग्री ।
(2) स्वार्थव्यवसायात्मक ज्ञान
(3) निर्विकल्पक प्रत्यक्ष
(4) संशय, भ्रम और अनध्यवसाय से रहित चित्तवृत्ति ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

20. According to Mimamsa Philosophy the component of inference are
(1) Pratigya, Hetu
(2) Pratigya, Hetu, Udaharan
(3) Pratigya, Hetu, Udaharan, Upanaya
(4) Pratigya, Hetu, Udaharan, Upanaya, Nigman
(5) Question not attempted

21. According to Jayanta Bhatta, even though memory is true, it is not valid knowledge because
(1) It arises in the absence of the object to be known.
(2) It arises in the absence of impression.
(3) It arises in the absence of self-awareness.
(4) it arises in the absence of mental perception.
(5) Question not attempted

22. This is false according to Nyaya Philosophy that
(1) error is false knowledge.
(2) object of error is known by ordinary perception.
(3) object of error is known by extraordinary perception.
(4) its principle related error is called anyathakhyativad.
(5) Question not attempted

23. According to Jain Philosophy the Praman is
(1) sense object contact, words of the authentic person its external cause of knowledge.
(2) judgmental knowledge of self and object both
(3) Indeterminate perception
(4) Chittvriti without doubt, error and ignorance
(5) Question not attempted

24. शब्द का अर्थ जातिआकृतिमय व्यक्ति है, इस मत का प्रतिपादन करता है।

(1) न्याय दर्शन (2) प्रभाकर मीमांसा

(3) भट्ट मीमांसा (4) बौद्ध दर्शन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

25. एक वाक्य प्राथमिक और स्वतन्त्र अर्थपूर्ण इकाई है। शब्द मात्र आंशिक वाक्य हैं। वे वाक्य के सन्दर्भ के बिना अपने आप में अर्थहीन है। यह मत है –

(1) भर्तृहरि (2) शंकराचार्य

(3) रामानुज (4) प्रभाकर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

26. बौद्ध दर्शन के अपोह सिद्धान्त के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से असत्य है :

(1) शब्द का प्राथमिक अर्थ निषेधात्मक है।

(2) शब्द का अर्थ अतद्व्यावृत्ति है और इसके द्वारा स्वलक्षण का ज्ञान होता है।

(3) शब्द द्वारा विजातीय वस्तुओं के निषेधपूर्वक विशेष वस्तु के मानसिक आकार का विधान है।

(4) शब्द का अर्थ स्वलक्षण नहीं है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

27. निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है ?

I. कुमारिल भट्ट के अनुसार वैदिक और लौकिक दोनों शब्द स्वतः प्रमाण हैं।

II. प्रभाकर के अनुसार केवल वैदिक शब्द स्वतः प्रमाण है, जबकि लौकिक शब्द अनुमान से प्रमाणित है।

(1) I और II दोनों सही हैं।

(2) केवल II सही है।

(3) ना I सही है, ना II सही है।

(4) केवल I सही है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

24. The meaning of a word is an individual with universal and form. This view is propounded by

(1) Nyaya Philosophy

(2) Prabhakar Mimamsa

(3) Bhatt Mimamsa

(4) Buddhism

(5) Question not attempted

25. A sentence is a primary and independent unit of meaning. Words are only partial sentence, they are meaningless without reference to a sentence. This view is held by

(1) Bhartrihari (2) Shankaracharya

(3) Ramanuja (4) Prabhakar

(5) Question not attempted

26. Which of the following is false about Buddhist theory of Apoha ?

(1) Word's primary meaning is negative.

(2) The meaning of a word is negation of others and the unique particular is known through it.

(3) The meaning of a word as negation of others is also an affirmation of a positive mental image of object.

(4) Unique particular is not word's meaning.

(5) Question not attempted

27. Which of the following statements is correct ?

I. According to Kumarila Bhatta, both Vedic and Loukika (ordinary) words are self-valid (Svatah pramana)

II. According to Prabhakara only vedic words are self-valid (Svatah-pramana) while Laukika (ordinary) words are validated through inference.

(1) Both I and II are correct.

(2) Only II is correct.

(3) Neither I nor II is correct.

(4) Only I is correct.

(5) Question not attempted

950637

28. सौत्रान्तिक दर्शन के अनुसार ज्ञानोत्पत्ति की प्रक्रिया में समान्तर प्रत्यय है :

(1) वह पदार्थ जो चेतना को अपना आकार प्रदान कर रहा है ।

(2) पूर्ववर्ती विज्ञानक्षण ।

(3) वह इन्द्रिय, जिसके द्वारा पदार्थ जाना जा रहा है ।

(4) पदार्थ, निश्चित दूरी के अन्दर पदार्थ का सद्भाव आदि सहायक सामग्री ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

29. ज्ञान स्वप्रकाशक न होकर मात्र विषय प्रकाशक होता है । ज्ञान का ज्ञान अनुव्यवसाय से होता है । इस सिद्धान्त को स्वीकार करता है ।

(1) न्याय दर्शन (2) भट्ट मीमांसा

(3) बौद्ध दर्शन (4) अद्वैत वेदान्त दर्शन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

30. मीमांसक कुमारिल के अनुसार ज्ञान और ज्ञान के विषय का सम्बन्ध होता है –

(1) तादात्म्य सम्बन्ध

(2) कार्य–कारण सम्बन्ध का एक प्रकार

(3) स्वरूप सम्बन्ध

(4) ज्ञान–ज्ञेय सांकर्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

31. आनुपूर्वी एक मीमांसक मत है, जिसके अनुसार

(1) शब्द प्रमाण है क्योंकि शब्द का सृष्टा ईश्वर है ।

(2) शब्दों के अर्थ उनके परम्परागत उपयोग द्वारा निर्धारित होते हैं ।

(3) शब्द शाश्वत हैं और वेदों में उनका क्रम भी शाश्वत है ।

(4) शब्दों और उनके अर्थों के मध्य कोई अनिवार्य सम्बन्ध नहीं है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

950637

28. According to Sautrantrik Philosophy in the process of producing knowledge the Samantar Pratyaya is

(1) that object which imparts its form to consciousness.

(2) the state of consciousness just previous moment.

(3) the sense to determine the kind of consciousness.

(4) some favourable conditions such as light, convenient position.

(5) Question not attempted

29. Knowledge is only object illuminative not self illuminative. Knowledge is known through anuvyāvaṣāya. This principle is propounded by

(1) Nyaya Philosophy

(2) Bhatt Mimamsa

(3) Buddhism

(4) Advait Vedant

(5) Question not attempted

30. According to Mimamsaka kumarila, the relation between cognition and the object of cognition is

(1) an identity relation

(2) a type of causal relation

(3) a Swroop Sambandha

(4) intermingling of knowledge and known

(5) Question not attempted

31. 'Ānupūrvī' is a Mimamsaka view, according to which

(1) Shabda is a pramāṇa because shabda is created by God.

(2) Meaning of the words is determined by their conventional use.

(3) The words are eternal and their order in the Vedas is also eternal.

(4) There is no necessary relation between words and their meaning.

(5) Question not attempted

32. बौद्ध दर्शन के अनुसार व्याप्ति के दो प्रकार कौन से हैं ?

(1) सहभाव नियम और क्रमभाव नियम
(2) तादात्म्य और क्रमभाव नियम
(3) तदुत्पत्ति और सहभाव नियम
(4) तादात्मय और तदुत्पत्ति
(5) अनुत्तरित प्रश्न

33. जैन दर्शन के अनुसार साध्य की कौन सी विशेषता नहीं है ?

(1) इष्ट
(2) अबाधित
(3) असिद्ध
(4) सिद्ध
(5) अनुत्तरित प्रश्न

34. जैन दर्शन के अनुसार व्याप्ति के निश्चय में अव्यवहित पूर्ववर्ती कारण क्या है ?

(1) तर्क
(2) अन्तःप्रज्ञा
(3) हेतु और साध्य के मध्य साहचर्य का पुनः-पुनः निरीक्षण
(4) अन्य अनुमान
(5) अनुत्तरित प्रश्न

35. न्यायबिन्दु के अनुसार स्वार्थानुमान क्या है ?

(1) यह त्रैरूप्य हेतु का कथन है ।
(2) यह त्रैरूप्य हेतु का ज्ञान है ।
(3) यह साध्य व्याप्य त्रैरूप्य हेतु का ज्ञान है ।
(4) यह त्रैरूप्य हेतु से साध्य के विषय में होने वाला ज्ञान है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

36. निम्नलिखित में कौन सभी प्रकार के हेत्वाभासों को अकिंचित्कर हेत्वाभास के रूप में देखने का प्रयास करते हैं ?

(1) कणाद
(2) अकलंक
(3) भासर्वज्ञ
(4) रघुनाथ शिरोमणि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

32. What are the two kinds of vyapti according to Buddhism ?

(1) Regular simultaneity and regular succession
(2) Identity and regular succession
(3) Causation and regular simultaneity
(4) Identity and causation
(5) Question not attempted

33. What is not a characteristic of Sādhya according to Jainism ?

(1) Desired (iṣta)
(2) Uncontradicted (abhādhita)
(3) Unproved (asidha)
(4) Proved (sidha)
(5) Question not attempted

34. What is the immediately preceding cause of the ascertainment of the vyapti according to Jainism ?

(1) Tarka
(2) Intuition
(3) Repeated observation of the association between Hetu and Sādhya
(4) Another inference
(5) Question not attempted

35. What is Svārthānumāna according to the Nyāyabindu ?

(1) It is a statement of hetu (mark) that has a threefold aspect (trairūpya hetu)
(2) It is a cognition of hetu (mark) that has a threefold aspect.
(3) It is a cognition of sādhya pervasive threefold aspect hetu.
(4) It is a cognition about sādhya produced by a threefold aspect hetu.
(5) Question not attempted

36. Who among the following attempts to view all kinds of Hetvābhāsas as Akiṅcitkara Hetvābhāsa ?

(1) Kaṇāda
(2) Akalaṅka
(3) Bhāsarvajña
(4) Raghunātha Śiromaṇi
(5) Question not attempted

37. ज्ञान का अर्थ एक ऐसी प्रक्रिया में निहित है जो वस्तु तक हमें लेकर जाती है यह दृष्टि किस-किस के द्वारा अपनाई गई ?

a. न्याय b. बौद्ध
c. वैशेषिक d. मीमांसक

(1) a एवं d (2) b एवं c
(3) b एवं d (4) a, b, c एवं d
(5) अनुत्तरित प्रश्न

38. हेत्वाभास के विषय में निम्न पर विचार कर सभी कथनों का चयन कीजिए :

A. हेत्वाभास अनिवार्यतः औपचारिक तर्क दोष है जिनमें हेतु में कोई आकारिक दोष होता है ।
B. हेत्वाभास पर विचार करते हुए वस्तु तथ्य पर ध्यान देने की कोई आवश्यकता नहीं होती ।

(1) केवल A (2) केवल B
(3) A तथा B दोनों (4) न तो A और न ही B
(5) अनुत्तरित प्रश्न

39. अनुमान के अवयव के सन्दर्भ में निम्न असंगत युग्म है :

(1) नव्य-न्याय – पञ्चावयव
(2) मीमांसा – त्रयवयव
(3) बौद्ध – द्वि-अवयव
(4) प्राचीन न्याय – एकावयव
(5) अनुत्तरित प्रश्न

40. न्याय के अनुसार अनुमान का कौन सा प्रकार परिशेषन्याय है ?

(1) पूर्ववत् – प्रथम प्रकार
(2) शेषवत् – प्रथम प्रकार
(3) शेषवत् – द्वितीय प्रकार
(4) सामान्यतोदृष्ट – द्वितीय प्रकार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

37. Knowledge as an existent fact consists in the act of showing and leading to an object (jnanakriya) is the view adopted by

a. Nyaya b. Buddha
c. Vaisheshika d. Mimasakas

(1) a and d (2) b and c
(3) b and d (4) a, b, c and d
(5) Question not attempted

38. Consider the following about hetvābhas, and select the correct ones :

A. Hetvābhāsa-s are essentially formal fallacies where there is some flaw in form of hetu.
B. There is no need to address material truth while analyzing hetvābhasa.

(1) Only A
(2) Only B
(3) Both A and B
(4) Neither A nor B
(5) Question not attempted

39. The following is inconsistent, in the parlance of avayava of Anuman :

(1) Navya-nyāya – Pañcāvayava
(2) Mīmāṁsā – Trayavayava
(3) Buddhist – Dwi-avayava
(4) Prācīna nyāya – Ekāvayava
(5) Question not attempted

40. According to Nyāya, which form of inference is <u>Pariśeṣanyāya</u> ?

(1) Pūrvavat – I Type
(2) Śeṣavat – I Type
(3) Śeṣavat – II Type
(4) Sāmānyatodṛṣta – II Type
(5) Question not attempted

950637

41. न्याय मत में हेतु के विषय में निम्न कथनों पर विचार कर ही सही कथनों का चयन कीजिए :

A. साधर्म्य तथा वैधर्म्य उद्योत्कर द्वारा प्रतिपादित हेतु के दो प्रकार हैं ।

B. अन्वय-व्यतिरेकी केवलान्वयी केवलाव्यतिरेकी वात्स्यायन द्वारा प्रतिपादित हेतु के तीन प्रकार हैं ।

(1) केवल A (2) केवल B

(3) A तथा B दोनों (4) न तो A और न ही B

(5) अनुत्तरित प्रश्न

42. रसोईघर की अग्नि में धूम का होना निम्न का उदाहरण है :

(1) अविरुद्ध (2) अबाधित

(3) सपक्षसत्त्व (4) विपक्षसत्त्व

(5) अनुत्तरित प्रश्न

43. हेत्वाभास के सन्दर्भ में कौन सा युग्म सही है ?

(1) असाधारण, प्रकरणसम का प्रारूप है ।

(2) सत्प्रतिपक्ष, साध्यसम का प्रारूप है ।

(3) आश्रयासिद्ध, विरुद्ध का प्रारूप है ।

(4) बाधित, अतीतकाल का प्रारूप है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

44. धर्मकीर्ति विरचित न्याय-बिन्दु के अनुसार विरुद्ध हेत्वाभास का हेतु क्या है ?

(1) पक्ष-सत्व लक्षण का उल्लंघन होना ।

(2) सपक्ष-सत्व लक्षण का उल्लंघन होना ।

(3) विपक्ष-सत्व लक्षण का उल्लंघन होना ।

(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(5) अनुत्तरित प्रश्न

45. न्याय परम्परा में व्याप्ति पद का प्रयोग प्रथम बार निम्न आचार्य द्वारा किया गया :

(1) गौतम (2) वात्स्यायन

(3) गंगेश (4) उद्योत्कर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

950637

41. Consider the following statements about Hetu in Nyāya and select the correct ones :

A. Sādharmya and Vaidharmya are 2 types of Hetu introduced by Udyotkar.

B. Anvaya-vyatirekī, Kevalānvayī, Kevalavyatireki are three types of hetu introduced by Vatsyāyana.

(1) only A (2) only B

(3) Both A & B (4) Neither A nor B

(5) Question not attempted

42. Smoke existing in fire of the kitchen is an example of

(1) Aviruddha (2) Abādhita

(3) Sapakṣasattva (4) Vipakṣasattva

(5) Question not attempted

43. Which among the following is correctly paired in the context of Hetvabhāsa ?

(1) Asādhāraṇa is a form Prakaraṇasama

(2) Satpratipakṣa is a form of Sādhyasama

(3) Āshrayasiddha is a form of Viruddha

(4) Badhita is a form of Atitakāla

(5) Question not attempted

44. What is the reason of the Viruddha Hetvābhāsa according to Dharmakirti's work the Nyāya-Bindu ?

(1) On the violation of the Pakṣa-Satva character.

(2) On the violation of the Sapakṣa-Satva character.

(3) On the violation of the Vipakṣa-Satva character.

(4) None of these

(5) Question not attempted

45. In Nyāya tradition, the term Vyāpti is first used by the following ācērya

(1) Gotama (2) Vātsyāyana

(3) Gaṅgeśa (4) Udyotkar

(5) Question not attempted

46. त्रयवयव परंपरा का पञ्चावयव परंपरा को सुझाव है कि:

(1) प्रथम तथा द्वितीय अवयव को बाहर कर सकते हैं ।

(2) चतुर्थ तथा पंचम अवयव को बाहर कर सकते हैं ।

(3) या तो प्रथम तथा द्वितीय अथवा चतुर्थ तथा पंचम अवयव को बाहर कर सकते हैं ।

(4) तृतीय अवयव को बाहर कर सकते हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

47. नव्य–न्याय में किस हेत्वाभास को लेकर मतभेद है ?

(1) साधारण (2) असाधारण

(3) अनुपसंहारी (4) अकिंचित्कर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

48. हेतु के प्रकार के विषय में बौद्ध न्याय के अनुसार क्या सही नहीं हैं ?

(1) हेतु के दो प्रकार हैं स्वभाव तथा अनुपलब्धि हेतु ।

(2) स्वभाव हेतु वह हेतु है जो स्वयं के अतिरिक्त किसी अन्य हेतु की अपेक्षा नहीं रखता ।

(3) प्रमाणवार्तिक में धर्मकीर्ति ने अनुपलब्धि हेतु के 4 प्रकार बतायें ।

(4) मोक्षाकर गुप्त बौद्ध – नैयायिक हैं जिन्होंने हेतु के प्रकार तथा उप–प्रकार पर योगदान दिया ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

49. यह कौन मानता है कि स्मृति के प्रमाण नहीं होने पर, अनुमान की प्रमाणता को सिद्ध नहीं किया जा सकता ?

(1) चार्वाक (2) जैन

(3) सांख्य (4) भासर्वज्ञ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

46. The trayavayavaparamparā proposes that of the pañcāvayava

(1) First and second component could be dropped.

(2) Fourth and fifth component could be dropped.

(3) Either first and second or fourth and fifth component could be dropped.

(4) Third component could be dropped

(5) Question not attempted

47. On which Hetvābhāsa, there is a difference of opinion in Navya-Nyaya ?

(1) Sādhārana

(2) Asādhārana

(3) Anupasaṁhāri

(4) Akincitkara

(5) Question not attempted

48. What is not correct about types of Hetu in Buddhist logic ?

(1) There are 2 types of hetu swabhāva and anuplabdhi

(2) A hetu that does not presuppose any other hetu than itself is swabhāva-hetu.

(3) Dharmakīrti mentions 4 types of anuplabdhi hetu in Pramāṇa-vārthika

(4) Mokṣākar Gupta is a Buddhist logician who has made contribution to types and sub-types of hetu.

(5) Question not attempted

49. Who does maintain that without memory being a pramāna, inference could not be validated as a pramāna ?

(1) Cārvaka (2) Jainas

(3) Sāmkhya (4) Bhāsarjña

(5) Question not attempted

50. गीता की लोकसंग्रह की अवधारणा क्या है ?

(1) सम्पूर्ण मानवजाति के प्रति निज कुटुम्ब के सदस्य के समान बर्ताव करना । यह लोकसंग्रह है ।

(2) ज्ञानी और निष्काम पुरुष भी उसी प्रकार से कर्म करते हैं जो लोकविधि है ताकि लौकिक पुरुषों के मन में कोई संशय उत्पन्न न हो । यह लोकसंग्रह है ।

(3) ज्ञानी और निष्काम पुरुष सदैव लोकविधि से गुणात्मक रूप से भिन्न प्रकार से कर्म करते हैं । यह लोकसंग्रह है ।

(4) ज्ञानी और निष्काम पुरुषों की शिक्षाएँ लोकसंग्रह के कर्म हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

51. जैन दर्शन में, निम्नलिखित में से किसको विशिष्टतः कषाय नहीं माना गया ?

(1) क्रोध (2) मन

(3) मिथ्यात्व (4) माया

(5) अनुत्तरित प्रश्न

52. 'बहुजन हिताय बहुजन सुखाय' निम्नलिखित में से किस ग्रंथ से लिया गया है ?

(1) विनय-पिटक (2) सुत्त-पिटक

(3) अभिधम्म-पिटक (4) केन उपनिषद्

(5) अनुत्तरित प्रश्न

53. जैन दर्शन के अनुसार ध्यान के द्वारा मन को स्थिर करने की प्रक्रिया में निम्नलिखित में से कौन इस प्रक्रिया का विशेष रूप से भाग नहीं है ?

(1) मैत्री (2) प्रमोद

(3) करुणा (4) अनित्यता

(5) अनुत्तरित प्रश्न

50. What is the concept of Lokasaṁgraha of the Gīta ?

(1) To treat all of the mankind as member of one's own family. This is Lokasaṁgraha.

(2) Wise and detached persons also acts in the same way as the Loka, so that no doubt is generated in the minds of laity. This is Lokasaṁgraha.

(3) Wise and detached persons acts always in the qualitatively different way from the way of Loka. This is Lokasaṁgraha.

(4) Teachings of wise and detached persons are the acts of Lokasaṁgraha.

(5) Question not attempted

51. Which among the following, particularly is not considered as Kashaya according to Jaina philosophy ?

(1) Krodha (2) Mana

(3) Mithyātva (4) Maya

(5) Question not attempted

52. 'Bahujan Hitaya and Bahujan Sukhaya' is taken from which of the following texts ?

(1) Vinaya-Pitaka

(2) Sutta-Pitaka

(3) Abhidhamma-Pitaka

(4) Kena Upanishada

(5) Question not attempted

53. In order to make the mind steady by Dhyana according to Jaina Philosophy, what specifically is not considered as a part of practice ?

(1) Maitri (2) Pramod

(3) Karuna (4) Anityata

(5) Question not attempted

54. "यदि तुम अच्छा स्वास्थ्य चाहते हो, तो प्रतिदिन व्यायाम करो" किस प्रकार का कर्म है ?

(1) नित्य कर्म (2) नैमित्तिक कर्म

(3) काम्य कर्म (4) प्रतिषिद्ध कर्म

(5) अनुत्तरित प्रश्न

55. इन्द्रियों को उसके विषय से पृथक करना ______ कहलाता है ।

(1) अस्तेय (2) ब्रह्मचर्य

(3) प्रत्याहार (4) धारणा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

56. कौन सा कथन निष्काम कर्मयोग की अवधारणा और तत्संबंधी विवाद से असंगत है ?

(1) यह प्रयोजन रहित कर्म है ।

(2) यह सांसारिक कामना रहित कर्म है ।

(3) यह समत्व संयुक्त कर्म है ।

(4) शंकराचार्य के अनुसार यह अज्ञानियों के लिए प्रतिपादित मार्ग है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

57. कौन गीता में दी गई चार प्रकार के भक्तों की सूची में शामिल नहीं है ?

(1) आर्त पुरुष (2) अर्थार्थी पुरुष

(3) क्रुद्ध पुरुष (4) ज्ञानी पुरुष

(5) अनुत्तरित प्रश्न

58. कौन दर्शन मानता है कि समस्त शास्त्र क्रिया की प्रेरणा करते हैं ?

(1) न्याय (2) मीमांसा

(3) सांख्य (4) योग

(5) अनुत्तरित प्रश्न

950637

54. What kind of Karma is this : "If you want good health, you should exercise daily" ?

(1) Nitya Karma

(2) Naimittika Karma

(3) Kāmya Karma

(4) Pratiṣiddha Karma

(5) Question not attempted

55. Dissociation of sense-organs from their object is called

(1) Asteya (2) Brahmacarya

(3) Pratyāhara (4) Dhāraṇā

(5) Question not attempted

56. What statement is inconsistent with regard to the concept of and debate on the Niṣkāmakarma Yoga ?

(1) It is a purposeless action.

(2) It is a worldly desireless action.

(3) It is an action with Samatva.

(4) It is a path propounded for ignorants according to Śaṅkarācārya.

(5) Question not attempted

57. Who does not belong to the list of the four kinds of devotees given in the Gītā ?

(1) a distressed person

(2) a person desirer of money

(3) a wrathful person

(4) a wise person

(5) Question not attempted

58. Which philosophy considers scriptures as the motivator of action ?

(1) Nyāya (2) Mīmāṁsā

(3) Sāṁkhya (4) Yoga

(5) Question not attempted

59. योगभाष्य के अनुसार हिंसा का कारण क्या है ?

(1) अभिनिवेश (2) अस्मिता

(3) प्रमाद (4) प्रारब्ध

(5) अनुत्तरित प्रश्न

60. कौन सा सम्प्रदाय विश्वास करता है कि आत्मा के विशेष गुणों का समूल नाश ही मोक्ष है ?

(1) वैशेषिक (2) सांख्य

(3) बौद्ध (4) जैन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

61. न्याय दर्शन के अनुसार मोक्ष क्या है ?

(1) दुख से पूर्ण मुक्ति (2) आनन्द की प्राप्ति

(3) सुख की प्राप्ति (4) मृत्यु

(5) अनुत्तरित प्रश्न

62. जैन दर्शन के अनुसार ज्ञान के वे दो प्रकार कौन से हैं जो कभी भी मिथ्याकारणों से उत्पन्न नहीं होते ?

(1) मनःपर्ययज्ञान और केवलज्ञान

(2) अवधिज्ञान और केवलज्ञान

(3) श्रुतज्ञान और केवलज्ञान

(4) मतिज्ञान और केवलज्ञान

(5) अनुत्तरित प्रश्न

63. भगवद्गीता के अनुसार स्वधर्म क्या है ?

(1) आश्रम धर्म (2) वर्णाश्रम धर्म

(3) सामान्य धर्म (4) कर्म

(5) अनुत्तरित प्रश्न

59. What is the cause of violence (himsā) according to the Yogabhāṣya ?

(1) abhiniveśa (2) asmitā

(3) pramāda (4) prārābdha

(5) Question not attempted

60. Which system believes that liberation is an absolute extinction of the special properties of ātman ?

(1) Vaiśeṣika (2) Sāṁkhya

(3) Bauddha (4) Jaina

(5) Question not attempted

61. What is liberation, according to Nyāya school ?

(1) Complete extinction of misery

(2) Attainment of Bliss

(3) Attainment of Happiness

(4) Death

(5) Question not attempted

62. What are the two kinds of knowledge which are never caused by the false conditions according to Jainism ?

(1) Manahapargayajñāna and Kevalajñāna

(2) Avadhijñāna and Kevalajñāna

(3) Srutajñāna and Kevalajñāna

(4) Matijñāna and Kevalajñāna

(5) Question not attempted

63. What is Svadharma, according to the Bhagvadgīta ?

(1) Āśrama dharma

(2) Varṇāśrama-dharma

(3) Sāmānya dharma

(4) Karma

(5) Question not attempted

64. ऋण की वैदिक अवधारणा का लक्षण क्या है ?

(1) आर्थिक (2) नैतिक और क़ानूनी

(3) नैतिक और आर्थिक (4) नैतिक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

65. 'गुणस्थान' अर्थात आत्मा की पूर्णता की क्रमिक अवस्थाओं का प्रतिपादक है ।

(1) जैन मत (2) बौद्ध मत

(3) न्याय-वैशेषिक मत (4) पूर्व मीमांसा मत

(5) अनुत्तरित प्रश्न

66. भगवद्गीता के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है ?

(1) 'क्षेत्र' का अर्थ स्थान व वस्तु है ।

(2) प्रकृति (जगत) नित्य परिवर्तनीय, समयातीत, अनन्त सत्ता रखने वाली अक्षर है ।

(3) क्षेत्रज्ञ वस्तु व विषय ज्ञाता है ।

(4) मनुष्य की आत्मा में, ज्ञाता का एक तत्त्व रहता है जो सभी परिवर्तनों के पीछे समान रहता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

67. बौद्ध दर्शन में सम्यक् समाधि की अन्तिम अवस्था क्या है ?

(1) निर्विषयक चेतनावस्था

(2) सर्वज्ञावस्था

(3) ध्याता-ध्यान-ध्येय का एकीभाव

(4) अदुःखासुखावेदना की दशा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

64. What is the characteristic of the Vedic concept of Rṇa ?

(1) Economic
(2) Moral and Legal
(3) Moral and Economic
(4) Moral
(5) Question not attempted

65. ''Guṇasthanas' or the stages of gradual perfection of the self, is propounded by

(1) Jainism
(2) Buddhism
(3) Nyaya Vaisheshika
(4) Purva Mimamsa
(5) Question not attempted

66. Which among the following statement is incorrect in the context of Bhagvadgita ?

(1) 'Kshetra' is the place or the object
(2) The Prakriti (world) is everchanging, timeless, endless existence and is Akshara
(3) 'Kshetrajna' is the knower of the object or the subject.
(4) In the self of man, there is an element of knower that remains constant behind all changes.
(5) Question not attempted

67. What is the final state of the Samayak Samādhi in Buddhism ?

(1) State of contentless consciousness
(2) State of omniscience
(3) Unification of dhyāta – dhyāna – dhyeya
(4) State of mind devoid of both pain and pleasure
(5) Question not attempted

950637

68. बौद्ध दर्शन में निम्नलिखित में से कौन सी अवधारणा अस्वीकार्य है ?
(1) चित्त (2) चैतसिक
(3) निर्वाण (4) आत्मा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

69. सत्याग्रह _______ पर आधारित है ।
(1) करुणा (2) प्रेम
(3) दान (4) उत्पीड़न
(5) अनुत्तरित प्रश्न

70. राधाकृष्णन यह स्वीकार नहीं करते कि
(1) ईश्वर में सृजनात्मक शक्ति विद्यमान है ।
(2) ईश्वर अनन्त सम्भावनाओं से सम्पन्न है तथा यह विश्व उनमें से एक सम्भावना की अभिव्यक्ति है ।
(3) ईश्वर विश्व रूप भी है और विश्व से परे भी है ।
(4) ईश्वर ही जगत और जगत ही ईश्वर है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

71. राधाकृष्णन के अनुसार यह असत्य है कि
(1) जगत ईश्वर का खेल है और यह वास्तविक है ।
(2) जगत ईश्वर का खेल है और यह मिथ्या है ।
(3) जगत में गत्यात्मकता विद्यमान है ।
(4) जगत में गति सप्रयोजन है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

72. शंकराचार्य के अनुसार, भगवद्गीता का प्रमुख सार है :
(1) मुक्ति सही ज्ञान द्वारा प्राप्य है ।
(2) युक्ति ज्ञान और कर्त्तव्य पालन द्वारा प्राप्य है ।
(3) सभी कर्त्तव्य केवल हमारी ज्ञान और समझदारी की अवस्था में औचित्य रखते हैं ।
(4) एक समझदार व्यक्ति का कर्म में कोई रुचि नहीं होती फिर भी वह कर्म करने के लिए कर्म करता है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

68. Which among the following concepts is not accepted by Buddhism ?
(1) Citta (2) Cetasika
(3) Nirvana (4) Atman
(5) Question not attempted

69. Satyāgraha is based on _______.
(1) Compassion (2) Love
(3) Charity (4) Coercion
(5) Question not attempted

70. Radhakrishnan does not accept that
(1) God has the power of creation.
(2) God has infinite possibilities and this world is a manifestation of one of them.
(3) God is world and also beyond the world.
(4) God is world and world is god.
(5) Question not attempted

71. This is false according to Radhakrishnan that
(1) World is a game of God and it is real.
(2) World is a game of God and it is false.
(3) World is dynamic
(4) The motion of world is purposeful.
(5) Question not attempted

72. The main thesis of the Gita, according to Sankara is
(1) Liberation can come only through right knowledge.
(2) Liberation can come through knowledge combined with the performance of duties.
(3) All duties hold good for us in the stage of knowledge and wisdom alone.
(4) The wise man who has no interest in his karma, still is said to be performing karma in the proper sense of the term.
(5) Question not attempted

73. एस. राधाकृष्णन के अनुसार, अन्तर्ज्ञान का स्वरूप क्या नहीं है ?
(1) अपरोक्ष
(2) स्वतःसिद्ध
(3) एकीकृत
(4) अप्राकृतिक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

74. गाँधी के अनुसार क्या सत्य है ?
(1) श्रम पूँजी से श्रेष्ठ है ।
(2) पूँजी श्रम के बराबर है ।
(3) पूँजी श्रम से श्रेष्ठ है ।
(4) श्रम और पूँजी में कोई सम्बन्ध नहीं है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

75. महात्मा गाँधी के अनुसार, न्यासिता के सिद्धान्त का सीधा सम्बन्ध ______ की अवधारणा से है ।
(1) सत्य
(2) अहिंसा
(3) अस्तेय
(4) अपरिग्रह
(5) अनुत्तरित प्रश्न

76. महात्मा गाँधी यह अस्वीकार करते हैं कि
(1) किसी भी परिस्थिति में हिंसा नहीं करना अहिंसा है ।
(2) अहिंसा का भावात्मक अर्थ प्रेम है ।
(3) अहिंसा निर्बल व्यक्ति की विशेषता न हो कर आत्मबल से सम्पन्न व्यक्ति की विशेषता है ।
(4) अहिंसक होने के लिये ईश्वर में आस्था होना आवश्यक है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

77. एस. राधाकृष्णन के अनुसार, बौद्धिक ज्ञान की सीमा होती है क्योंकि
(1) यह विषयि–विषय भेद पर आधारित है ।
(2) यह केवल सम्बन्धों की दुनिया में काम करता है ।
(3) (1) और (2) दोनों सही हैं ।
(4) केवल (2) सही है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

73. According to S. Radhakrishnan, what is not a nature of intuitive knowledge ?
(1) Immediate
(2) Self-evident
(3) Unified
(4) Non-natural
(5) Question not attempted

74. What is true according to Gandhi ?
(1) Labour is superior to capital.
(2) Capital is at par with labour.
(3) Capital is superior to labour.
(4) There is no relation between labour and capital.
(5) Question not attempted

75. The trusteeship theory is directly related to the concept of ______, according to Mahatma Gandhi.
(1) Truth
(2) Non-violence
(3) Non-stealing
(4) Non-accumulation
(5) Question not attempted

76. Mahatma Gandhi rejects that
(1) not doing violence in any situation is non-violence.
(2) positive meaning of non-violence is love.
(3) non-violence is not a quality of weak person but it is the quality of such person who has strength of self.
(4) faith in God is the fundamental condition of non-violence.
(5) Question not attempted

77. According to S. Radhakrishnan, intellectual cognition is limited because
(1) It is based on subject-object dichotomy.
(2) It operates in the realm of relation only.
(3) (1) and (2) both are true.
(4) only (2) is true.
(5) Question not attempted

78. श्री अरविन्द यह अस्वीकार करते हैं कि

(1) माया में आवरण और विक्षेप की क्षमता विद्यमान है ।

(2) यह असीम सत्ता को सीमित रूपों में अभिव्यक्त करने की शक्ति है ।

(3) माया जगत की अन्तर्विरोधों से युक्त स्वरूप की रचना करती है ।

(4) माया अनिर्वचनीय है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

79. सृष्टि प्रक्रिया में विकास का अर्थ निम्नतर रूपों का निषेध करते हुए अग्रसर होना नहीं है बल्कि निम्नतर रूपों को भी ऊपर उठाना तथा उन्हें पूर्णतया संघठित करना है । इस सिद्धान्त के प्रतिपादक हैं :

(1) बी.आर. अम्बेडकर (2) राधाकृष्णन

(3) कृष्णचन्द्र भट्टाचार्य (4) श्री अरविन्द

(5) अनुत्तरित प्रश्न

80. श्री अरविन्द के अनुसार ______ संसार है ।

(1) सत्

(2) असत्

(3) अनिर्वचनीय

(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(5) अनुत्तरित प्रश्न

81. गाँधीजी की स्वराज्य की अवधारणा में यह अन्तर्निहित है कि

	नागरिकों को राज्य के सभी कानूनों का पालन अनिवार्यतः करना चाहिये ।	नागरिकों को राज्य के गलत कानूनों का शान्तिपूर्ण विरोध का अधिकार होना चाहिये ।
(1)	सत्य	सत्य
(2)	सत्य	असत्य
(3)	असत्य	सत्य
(4)	असत्य	असत्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

78. Sri Aurobindo rejects that

(1) Maya has a capacity of concealment and projection.

(2) Maya exhibits infinite in finite forms.

(3) Maya creates the world's objects with contradictory nature.

(4) Maya is indescribable.

(5) Question not attempted

79. Evolution is not growing from the lower grades to the higher ones-separating and rejecting the lower ones as they are crossed. On the contrary it implies that the lower ones are uplifted and transformed. Proponent of this principle is

(1) B.R. Ambedkar

(2) Radhakrishnan

(3) Krishna Chandra Bhattacharya

(4) Sri Aurobindo

(5) Question not attempted

80. The world, according to Sri Aurobindo, is ________.

(1) Real

(2) Unreal

(3) Indescribable

(4) None of the above

(5) Question not attempted

81. According to Gandhiji's concept of swarajya it is included that

	Citizens should obey state's all laws necessarily	Citizens should have a right to disobey peacefully of wrong laws of state.
(1)	True	True
(2)	True	False
(3)	False	True
(4)	False	False

(5) Question not attempted

950637

82. श्री अरविन्द के अनुसार विकास की प्रक्रिया की पूर्व शर्त है :

(1) आरोहण (2) अंतर्वलन

(3) रूपांतरण (4) व्यापक मन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

83. विवेकानन्द के लिए माया है

(1) ब्रह्म की शक्ति नहीं

(2) व्याख्या का एक सिद्धांत

(3) तथ्यात्मक विवरण

(4) अशुभ का एक प्रकार

(5) अनुत्तरित प्रश्न

84. विवेकानन्द के अनुसार यह असत्य है कि

(1) ईश्वर में सृजनात्मक शक्ति विद्यमान है ।

(2) ईश्वर ने एक समय विशेष में जगत का निर्माण किया है ।

(3) जगत देश, काल और कारणता की कोटियों में व्यवस्थित है ।

(4) परमसत्ता देश, काल और कारणता की कोटियों से परे है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

85. श्री अरविन्द के अनुसार निम्नलिखित में से कौन अतिमानस के सीधे सम्पर्क में है ?

(1) उच्यतर मन (2) प्रदीप्त मन

(3) व्यापक मन (4) मन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

82. The process of evolution according to Sri Aurobindo is pre-conditioned by

(1) Ascent

(2) Involution

(3) Transformation

(4) Overmind

(5) Question not attempted

83. For Vivekanand, Māyā is

(1) Not a power of Brahman

(2) A theory of explanation

(3) A statement of fact

(4) A form of evil

(5) Question not attempted

84. It is false according to Vivekanand that

(1) God has the power of creation.

(2) God has created the world in a particular time.

(3) World is systematized in the categories space, time and causation.

(4) Absolute is beyond categories space, time and causation.

(5) Question not attempted

85. Which of the following is in direct contact with supermind according to 'Sri Aurobindo ?

(1) Higher mind

(2) Illuminated mind

(3) Overmind

(4) Mind

(5) Question not attempted

950637

86. राजयोग के बारे में क्या सत्य नहीं है ?

(1) यह एक शारीरिक और मानसिक अनुशासन का तरीका है ।

(2) इसकी परिणति समाधि में होती है ।

(3) इसे कमजोर भी कर सकते हैं ।

(4) यह मोक्ष पाने की त्वरित विधि है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

87. किसने कहा कि "मनुष्य में बुद्धि ब्रह्माण्ड में सन्तुलन का अनुनाद है" ?

(1) एम.एन. राय (2) के.सी. भट्टाचार्य

(3) बी.आर. अम्बेडकर (4) श्री अरविन्द

(5) अनुत्तरित प्रश्न

88. एम.एन. राय के अनुसार, प्रतिनिध्यात्मक लोकतंत्र एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें

A. जनता अपने प्रतिनिधियों को चुनकर भेजती है और वे शासन करते हैं ।

B. वह साक्षात रूप से जनता का, जनता द्वारा और जनता के लिये शासन है ।

सही उत्तर चुनिये :

(1) A सत्य B सत्य (2) A असत्य B असत्य

(3) A सत्य B असत्य (4) A असत्य B सत्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

89. विवेकानन्द के अनुसार

(1) मानवतावाद सार्वभौमिक धर्म है ।

(2) प्रत्येक धर्म का मूल्यपरक पक्ष या आन्तरिक पक्ष सार्वभौमिक धर्म है ।

(3) संसार में भिन्न-भिन्न समुदायों द्वारा स्वीकृत अनेक धर्म विद्यमान हैं तथा सार्वभौमिक धर्म की सत्ता नहीं है ।

(4) ईश्वर की सत्ता में विश्वास और उसके प्रति समर्पण का मार्ग सार्वभौमिक धर्म है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

86. What is not true of Raj-yoga ?

(1) It is a way of physical and mental discipline.

(2) Its final stage is concentration.

(3) It can be practiced by even weak.

(4) It is the quickest method for attaining liberation.

(5) Question not attempted

87. Who said that "reason in man is an eco of harmony of the universe" ?

(1) M.N. Roy

(2) K.C. Bhattacharya

(3) B.R. Ambedkar

(4) Sri Aurobindo

(5) Question not attempted

88. According to M.N. Roy representative democracy is such a system in that :

A. Public select their representative and they rule.

B. Which is directly of the public for the public and by the public.

Choose the correct answer :

(1) A true; B true

(2) A false; B false

(3) A true; B false

(4) A false; B true

(5) Question not attempted

89. According to Vivekanand

(1) Humanism is universal religion.

(2) Valuational aspect of every religion is universal religion.

(3) There are various religions accepted by different communities and universal religion does not exist.

(4) The path of faith in existence of God and devotion towards his, is universal religion.

(5) Question not attempted

90. वर्तमान समय में धर्मनिरपेक्ष धर्म का ईश्वर जनता है । राजनीतिक पार्टी पुरोहितत्व है तथा इस पार्टी का मुख्य नेता पुरोहित है । ...... यह नया ईश्वर जनता, राष्ट्र या वर्ग के रूप में पूजा जाता है । यह विचार है :

(1) जे. कृष्णमूर्ति
(2) डी.पी. चट्टोपाध्याय
(3) एम.एन. राय
(4) डॉ. राधाकृष्णन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

91. एम.एन. राय के अनुसार गाँधी दर्शन

a. पूँजीवाद का पोषक है ।
b. पूँजीवाद का विरोधी है ।
c. व्यक्ति को अंधविश्वासी बनाता है ।
d. यह शोषित वर्ग में शोषण के विरुद्ध विद्रोह की भावना को समाप्त करता है ।

सही उत्तर चुनिये :

(1) b
(2) a, c, d
(3) b, c
(4) b, c, d
(5) अनुत्तरित प्रश्न

92. एम.एन. राय के अनुसार यह असत्य है कि

a. मनुष्य स्वभावतः स्वार्थी है ।
b. मनुष्य स्वाभावतः पापी है ।
c. मनुष्य अर्थोपार्जन का साधन है ।
d. मनुष्य में स्वाभाविक रूप से शुभत्व विद्यमान है ।

सही उत्तर चुनिये :

(1) a, b
(2) a, b, c
(3) c, d
(4) d
(5) अनुत्तरित प्रश्न

90. "In present time, God of secular religion is public. Political party is priestness and leader of this party is priest. This new God is worshipped as public, nation or class." This statement is of

(1) J. Krishnamurti
(2) D.P. Chattopadhyaya
(3) M.N. Roy
(4) Dr. Radhakrishnan
(5) Question not attempted

91. According to M.N. Roy Gandhian philosophy

a. Promotes capitalism
b. Opposes capitalism
c. Makes a person dogmatic
d. Finishes the emotion of revolt in the exploited class against exploitation.

Choose correct answer :

(1) b
(2) a, c, d
(3) b, c
(4) b, c, d
(5) Question not attempted

92. According to M.N. Roy, which of the following is false ?

a. human being is naturally selfish.
b. human being is naturally sinner.
c. human being is a means of producing money.
d. human being has natural goodness.

Choose correct answer

(1) a, b
(2) a, b, c
(3) c, d
(4) d
(5) Question not attempted

93. कृष्णचन्द्र भट्टाचार्य के संबंध में निम्न कथनों पर विचार कीजिए तथा सही कथनों का चयन कीजिए :

A. "कॉन्सेप्ट ऑफ फिलॉसफ़ी" निबंध में प्रायः भारतीय दर्शन के वि–औपनिवेशीकरण के बीज देखे जाते हैं ।

B. "दि अद्वैत एण्ड इट्स स्पिरिचुअल सिग्निफिकेंस" में भट्टाचार्य काण्ट की वेदान्तीय समीक्षा करते हैं ।

C. "सेल्फ थॉट एण्ड रिअलिटी" में भट्टाचार्य बुद्धि तथा सत् के संबंध पर चर्चा करते हैं ।

(1) A तथा B (2) B तथा C
(3) केवल B (4) केवल C
(5) अनुत्तरित प्रश्न

94. कृष्णचंद्र भट्टाचार्य के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिए तथा सही कथनों का चयन कीजिए :

A. भट्टाचार्य के दर्शन को अतिक्रामी (ट्रांसण्डेण्टल) प्रत्ययवाद कहा गया है ।

B. भट्टाचार्य की दार्शनिक विधि को "रचनात्मक भाष्यकर्म" का नाम दिया गया है ।

C. "अनिर्धाय-निरपेक्ष" का क्षेत्र "विषयी" का परम ध्येय है ।

(1) A तथा B (2) A तथा C
(3) B तथा C (4) A, B तथा C
(5) अनुत्तरित प्रश्न

95. के.सी. भट्टाचार्य से सम्बन्धित सूची–A का सूची–B से मिलान कीजिए :

सूची-A (चेतना)	*सूची-B (विषयवस्तु)*
a. इन्द्रियानुभविक चेतना	i. आत्मनर्भर
b. वस्तुनिष्ठ चेतना	ii. सत्ता
c. आध्यात्मिक चेतना	iii. तथ्य
d. अतीन्द्रिय चेतना	iv. सत्य

	a	b	c	d
(1)	i	ii	iii	iv
(2)	iii	i	ii	iv
(3)	iii	ii	iv	i
(4)	iv	iii	i	ii

(5) अनुत्तरित प्रश्न

93. Consider the following statements about K.C. Bhattacharyya and select the correct ones using the codes below :

A. His essay "Concept of Philosophy" is often seen to have in it the seeds of decolonization of Indian Philosophy.

B. K.C. Bhattacharyya presents a vedant in critique of Kant in "The Advaita and its spiritual significance".

C. K.C. Bhattacharyya discusses the relation between understanding and reality in "Self, thought and Reality".

(1) A & B (2) B & C
(3) Only B (4) Only C
(5) Question not attempted

94. Consider the following about K.C. Bhattacharyya and select the correct ones by using codes :

A. K.C. Bhattacharyya's philosophy has been termed as "Transcendental Idealism".

B. K.C. Bhattacharyya's philosophical method has been termed as that of "Constructive Interpretation".

C. The realm of 'The Indefinite – The Absolute' is the ultimate destiny of 'subject'.

(1) A & B (2) A & C
(3) B & C (4) A, B & C
(5) Question not attempted

95. Match the List – A with B related to K.C. Bhattacharya :

List – A (Consciousness)	*List – B (Content)*
a. Empirical consciousness	i. Self-subsistent
b. Objective consciousness	ii. Reality
c. Spiritual consciousness	iii. Fact
d. Transcendental consciousness	iv. Truth

Choose the correct option :

	a	b	c	d
(1)	i	ii	iii	iv
(2)	iii	i	ii	iv
(3)	iii	ii	iv	i
(4)	iv	iii	i	ii

(5) Question not attempted

96. बौद्धमत के समीचीन समझ हेतु डॉ. बी.आर. अम्बेडकर द्वारा निम्न ग्रंथों की रचना की गयी :

A. बुद्ध एण्ड कार्ल मार्क्स

B. रेवोलूशन एण्ड काउंटर रेवोलूशन इन एन्शेंट इण्डिया

C. दि बुद्ध एण्ड हिज़ धम्म

D. नवयान : निओ–बुद्धिज़म

(1) A, B, C तथा D (2) A, B तथा C

(3) B, C तथा D (4) A, B तथा D

(5) अनुत्तरित प्रश्न

97. डी.पी. चट्टोपाध्याय के अनुसार भारत में वर्णव्यवस्था और सामाजिक असमानता का कारण नहीं है :

a. शारीरिक श्रम को हेय स्वीकार करना ।

b. बौद्धिक श्रम की श्रेष्ठता का प्रतिपादन ।

c. ईश्वर द्वारा वर्णव्यवस्था का सृजन ।

सही उत्तर चुनिये :

(1) a, b (2) a, b, c

(3) c (4) a

(5) अनुत्तरित प्रश्न

98. बी.आर. अम्बेडकर के अनुसार क्या सत्य है ?

(1) जाति केवल बहुसंख्या में होती है ।

(2) जाति केवल एक संख्या में होती है ।

(3) (1) और (2) दोनों

(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(5) अनुत्तरित प्रश्न

96. Following set of books were authored by Dr. B.R. Ambedkar for a proper reflection on Buddhism.

A. Buddha and Karl Marx

B. Revolution and Counter-Revolution in Ancient India

C. The Buddha and his Dhamma

D. Navayana : Neo Buddhism

(1) A, B, C & D

(2) A, B & C

(3) B, C & D

(4) A, B & D

(5) Question not attempted

97. According to D.P. Chattopadhyaya, which of the following is not the cause of class system and social inequality in India ?

a. seeing physical work as inferior.

b. propounding superiority of intellectual work

c. creating the class system by God

Choose correct answer :

(1) a, b

(2) a, b, c

(3) c

(4) a

(5) Question not attempted

98. What is true according to B.R. Ambedkar ?

(1) Castes exist only in the plural number.

(2) Castes exist only in the singular number.

(3) Both (1) and (2)

(4) None of the above

(5) Question not attempted

99. डी.पी. चट्टोपाध्याय के अनुसार स्वभाववाद वह सिद्धान्त हैं जिसके अनुसार

सृष्टि की रचना करना ईश्वर का स्वभाव है ।	संसार भौतिक है तथा इसकी घटनाएँ कारण कार्य नियमों के अनुसार स्वभावतः घटित होती हैं ।
(1) सत्य	सत्य
(2) सत्य	असत्य
(3) असत्य	सत्य
(4) असत्य	असत्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

100. जे. कृष्णमूर्ति कहते हैं कि चेतना ही वह सम्पूर्ण क्षेत्र है जिसमें ________

(1) केवल विचार क्रिया होती है ।

(2) केवल सम्बन्ध होते है ।

(3) विचार प्रक्रिया और सम्बन्ध होते हैं ।

(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(5) अनुत्तरित प्रश्न

101. डी.पी. चट्टोपाध्याय के अनुसार सांख्य दर्शन

एक भौतिकवादी दर्शन है क्योंकि जड़ प्रकृति ही सृष्टि रचना का एक मात्र कारण है ।	अध्यात्मवादी है क्योंकि यह चेतन पुरुष की स्वतन्त्र सत्ता को स्वीकार करता है और मोक्ष पुरुषार्थ को परम पुरुषार्थ मानता है ।
(1) सत्य	सत्य
(2) सत्य	असत्य
(3) असत्य	सत्य
(4) असत्य	असत्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

99. According to D.P. Chattopadhyaya, Swabhavavad is that principle according to which :

Creation of world is the nature of God	The world is material and its events have happened according to causal laws.
(1) True	True
(2) True	False
(3) False	True
(4) False	False

(5) Question not attempted

100. J. Krishnamurti says that consciousness is the total field in which ________.

(1) only thought function exists.

(2) only relationship exists

(3) thought functions and relationship exist

(4) None of the above

(5) Question not attempted

101. According to D.P. Chattopadhyaya Sankhya Philosophy is

A materialistic Philosophy because it accepts that material Prakriti is the only cause of the world's creation.	Spiritual because it accepts independent existence of conscious purush and according to it Moksha Purusharth is the highest Purusharth
(1) True	True
(2) True	False
(3) False	True
(4) False	False

(5) Question not attempted

950637 950637 950637 950637

102. हमारी नैतिक अनुभूति सर्वोच्च अनुभूति नहीं है । धार्मिक अनुभूति इससे परे है । ..... धार्मिक आश्वासन के बिना नैतिक जीवन का कोई अर्थ नहीं है और नैतिक संघर्ष प्रेरणाहीन है । यह मत है :

	राधाकृष्णन	एम.एन. राय
(1)	सत्य	सत्य
(2)	सत्य	असत्य
(3)	असत्य	सत्य
(4)	असत्य	असत्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

103. “तद्विपरीतस्तथा च पुमान्” – सांख्य कारिका के इस वाक्यांश में ‘तद्’ है :

(1) व्यक्त (2) अव्यक्त

(3) व्यक्त तथा अव्यक्त (4) पुरुष

(5) अनुत्तरित प्रश्न

104. देवता तथा मानव संबंध पर निम्न कथन पर विचार कीजिए तथा सभी कथनों का चयन कीजिए :

A. देवानां भद्रा सुमतिर्ऋजूयतां ..... यजुर्वेद के आ नो भद्राः सूक्त से हैं ।

B. गीता में परस्परं भवयन्तः श्रेयः देवता तथा मानव में सहयोग की कामना है ।

(1) केवल A (2) केवल B

(3) A तथा B दोनों (4) न तो A और न ही B

(5) अनुत्तरित प्रश्न

105. निम्नलिखित जोड़ों पर विचार कीजिए :

(i) श्री अरविन्द – लाइट्स ऑन योग

(ii) स्वामी विवेकानन्द – दि लाइफ डिवाइन

(iii) एस. राधाकृष्णन – रिलीजन एण्ड सोसाइटी

(iv) एम. के गाँधी – स्ट्रे बर्ड्स

नीचे दिये गये में से सही विकल्प चुनिए :

(1) केवल (i) और (ii) सुमेलित हैं ।

(2) केवल (i) और (iii) सुमेलित हैं ।

(3) केवल (iii) सुमेलित है ।

(4) सभी सुमेलित हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

102. “Our moral cognition is not highest cognition – Religious cognition is beyond it..... without religious assurance there is no meaning of moral life and moral struggle is lack of inspiration.” This view is of

	Radhakrishnan	*M.N. Roy*
(1)	True	True
(2)	True	False
(3)	False	True
(4)	False	False

(5) Question not attempted

103. “Tadviparītastathā” ca pumān” in this phrase from Sāṁkhya-Kārikā, ‘Tad’ is

(1) Vyakt (2) Avyakt

(3) Vyakt & Avyakt (4) Purusa

(5) Question not attempted

104. Consider the following about relation between devata's and human and select the correct statement

A. Devānāṁ bhadrā sumatirjūyatam ....is from Ā No Bhadrah Sūktam of Yajurveda

B. Parasparaṁ – bhavayantah – śreyah is a desire of cooperation between devta and humans in the Gītā.

(1) only A (2) only B

(3) Both A & B (4) Neither A nor B

(5) Question not attempted

105. Consider the following pairs :

(i) Sri Aurobindo – Lights on Yoga

(ii) Swami Vivekananda – The Life Divine

(iii) S. Radhkrishnan – Religion and Society

(iv) M.K. Gandhi – Stray Birds

Choose the correct option from the following :

(1) only (i) and (ii) are matched correctly.

(2) only (i) and (iii) are matched correctly.

(3) only (iii) is matched correctly.

(4) All are matched correctly.

(5) Question not attempted

950637

106. निम्न कथनों पर विचार कीजिए तथा सही कथन का चयन कीजिए :

A. शतदूषणी तथा शतभूषणी माया के खण्डन तथा समर्थन में लिखे ग्रंथ हैं ।

B. शतदूषणी के लेखक वेदान्त देशिक हैं ।

C. शतभूषणी के लेखक मधूसूदन सरस्वती हैं ।

(1) A, B तथा C सही हैं ।

(2) A तथा B सही हैं ।

(3) B तथा C सही हैं ।

(4) A तथा C सही हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

107. गौड़पाड़ाचार्य के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिए :

A. वे शंकर के गुरु हैं ।

B. वे अजातिवाद के प्रतिपादक हैं ।

C. अलात्शांति उनकी प्रख्यात रचना का नाम है ।

(1) A तथा B सही हैं । (2) केवल A सही है ।

(3) केवल B सही है । (4) B तथा C सही हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

108. न्याय वैशेषिक की पदार्थ–अवधारणा की नवीन व्याख्या देते हुए प्रो. बिश्वंभर पाहि, राजस्थान के आख्यात दार्शनिक, दो आचार्यों से प्रेरणा ग्रहण करते हैं, ये है :

(1) गंगेश तथा व्योमशिव

(2) भासर्वज्ञ तथा रघुनाथ

(3) भासर्वज्ञ तथा व्योमशिव

(4) रघुनाथ तथा गदाधर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

109. योगसूत्र के पादों का सही क्रम है :

A. समाधिपाद B. कैवल्यपाद

C. साधनापाद D. विभूतिपाद

(1) A → D → C → B

(2) A → C → D → B

(3) C → A → B → D

(4) C → B → A → D

(5) अनुत्तरित प्रश्न

106. Consider the following statements and select the correct ones :

A. Śatadūṣaṇī and Śatabhūṣaṇī are texts that focus on rejection and supporting Māyā.

B. Śatadūṣaṇī is a text by Vedānta – Deśike.

C. Śatabhūṣaṇī is a text by Madhusūdana Saraswatī.

(1) A, B & C are correct.

(2) A & B are correct.

(3) B & C are correct.

(4) A & C are correct.

(5) Question not attempted

107. Consider the following statements about Gaudapādācārya :

A. He is the Guru of Śaṁkara

B. He is proponent of Ajātivada

C. Alatśānti is the name of his famous treatise

(1) A & B are correct.

(2) only A is correct

(3) only B is correct.

(4) B & C are correct.

(5) Question not attempted

108. Professor Biswambhar Pahi, a philosopher from Rajasthan, harps upon two Philosphers to give a new interpretation of Nyāya – Veiśeṣika conception of padārtha, these are

(1) Gaṅgeśa and Vyómaśiva

(2) Bhāsarvajña & Raghunātha

(3) Bhāsarvajña & Vyomaśiva

(4) Raghunatha & Gadādhara

(5) Question not attempted

109. The correct order of Pādas in Yogasūtra is

A. Samādhipāda B. Kaivalyapāda

C. Sādhanāpāda D. Vibhūtipāda

(1) A → D → C → B

(2) A → C → D → B

(3) C → A → B → D

(4) C → B → A → D

(5) Question not attempted

950637

110. पञ्चानन तर्करत्न भट्टाचार्य द्वारा बादरायण के ब्रह्मसूत्र पर विरचित भाष्य है :

(1) ब्रह्मसूत्र – न्याय – भाष्य

(2) शक्ति भाष्य

(3) अणु भाष्य

(4) विज्ञान भाष्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

111. मध्व में क्रममुक्ति का सही क्रम है :

A. कर्मक्षय B. अचिरादिगमन

C. उत्क्रांतिलय D. भोग

(1) A → B → C → D

(2) A → C → B → D

(3) C → A → B → D

(4) C → A → D → B

(5) अनुत्तरित प्रश्न

112. ब्रह्म के तीन रूप हैं – आधिदैविक परब्रह्म, आध्यात्मिक अक्षर ब्रह्म तथा अन्तर्यामी ब्रह्म यह मत किसका है ?

(1) निम्बार्क वेदान्त (2) मध्व वेदान्त

(3) वल्लभ वेदान्त (4) शंकर वेदान्त

(5) अनुत्तरित प्रश्न

113. निम्न दो कथनों पर विचार कीजिए :

A. भामती ग्रंथ में मूलाविद्या तथा तूलाविद्या में भेद किया गया है ।

B. पञ्चपादिका विवरण अद्वैत की पद्मपाद कृत व्याख्या का समर्थन करता है ।

(1) केवल A सही है ।

(2) केवल B सही है ।

(3) A तथा B दोनों सही हैं ।

(4) न तो A न ही B सही है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

110. The commentary on Bādrāyaṇa's Brahma-Sūtra by Pañcānana Tārkaratna Bhaṭṭācarya is

(1) Brahmasūtra – Nyāya – Bhāṣya

(2) Śakti – Bhāṣya

(3) Aṇu – Bhāṣya

(4) Vijñāna – Bhāṣya

(5) Question not attempted

111. The following is the right sequence in Krama-mukti of Madhva :

A. Karmakṣaya B. Acirādigamana

C. Utkrāntilaya D. Bhoga

(1) A → B → C → D

(2) A → C → B → D

(3) C → A → B → D

(4) C → A → D → B

(5) Question not attempted

112. There are three forms of Brahma : Ādhidaivika – Parbrahma, Ādhyātmika Aksar-brahma, Antaryāmī brahma. This view is held in

(1) Nimbarka – Vedānta

(2) Madhva – Vedānta

(3) Vallabha – Vedānta

(4) Sāṁkara – Vedānta

(5) Question not attempted

113. Consider the two statements as under :

A. Bhāmatī makes a distinction in Mūlāvidyā and Tūlāvidyā

B. Pañcapādikā Vivarana elaborates the views of Padmapāda on interpretation of Advaita

(1) Only A is correct.

(2) Only B is correct.

(3) Both A and B are correct.

(4) Neither A nor B is correct.

(5) Question not attempted

950637

114. अनेकान्त के प्रति शंकर की प्रमुख आलोचना निम्न सूत्र के भाष्य में है :

(1) नैकस्मिन्नसंभवात्

(2) आत्माऽकात्स्नर्यम्

(3) न च पर्यायादप्यविरोधो विकारादिभ्यः

(4) अन्त्यावस्थितेश्चोभयनित्यत्वादविशेषः

(5) अनुत्तरित प्रश्न

115. रामानुज वेदांत में अपृथक-सिद्धि से निम्न संबंध की व्याख्या की जाती है :

A. ब्रह्म – चित् B. ब्रह्म – अचित्

C. चित् – चित् D. चित् – अचित्

(1) A, B तथा C (2) A, B तथा D

(3) A तथा B (4) केवल A

(5) अनुत्तरित प्रश्न

116. निम्न कथन मायावाद के प्रति रामानुज की आपत्तियों से संबंधित हैं । कूट का प्रयोग कर सही कथनों का चयन कीजिए :

A. निवर्तकानुपपत्ति का अर्थ है अविद्या को कोई दूर करने वाला नहीं हैं क्योंकि समस्त ज्ञान सविशेष हैं ।

B. तिरोधानानुपपत्ति ज्ञान के स्वयंप्रकाश स्वरूप पर आधारित हैं ।

(1) केवल A (2) केवल B

(3) A तथा B दोनों (4) न तो A न ही B

(5) अनुत्तरित प्रश्न

114. The major criticism by Śaṁkara of Anekānta is in the bhāsya of following sūtra :

(1) Naikasminna saṁbhavat

(2) Ātmākātsnaryam

(3) Na ca paryāyādapyavirodho Vikārādibhyaḥ

(4) Antyāvasthiteśco-bhayanityatvādviśeṣaḥ

(5) Question not attempted

115. Rāmānuja Vedānta explains the following relations through Aprthak-siddhi :

A. Brahma & Cit

B. Brahma & Acit

C. Cit & Cit

D. Cit & Acit

(1) A, B & C (2) A, B & D

(3) A & B (4) Only A

(5) Question not attempted

116. The following statements pertain to the objections of Rāmānuja towards Māyāvāda, select the correct ones using codes :

A. Nivartakānupapatti means there is no remover of avidyā as every knowledge is qualified.

B. Tirodhānānupaptti harps upon swayaṁprakāśa nature of knowledge.

(1) only A

(2) only B

(3) Both A & B

(4) Neither A nor B

(5) Question not attempted

950637

117. आत्मा को अ-उ-म के प्रारूप में कौन सा उपनिषद समझाता है ?

(1) मुण्डक (2) माण्डूक्य
(3) छान्दोग्य (4) ईश
(5) अनुत्तरित प्रश्न

118. आचार्य मण्डन के अनुसार अविद्या क्या नहीं है ?

(1) माया
(2) ब्रह्म का स्वभाव नहीं है ।
(3) पूर्ण असत्
(4) अनिर्वचनीय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

119. किस उपनिषद के अनुसार सत्यकाम जाबाल को गुरु-गोधन को अरण्य इसलिए भेजा गया कि वह एकान्त में मननशील बन सके ?

(1) बृहदारण्यक उपनिषद
(2) छान्दोग्य उपनिषद
(3) एतरेय उपनिषद
(4) माण्डूक्य उपनिषद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

120. तैत्तिरीय उपनिषद के अनुसार उस ब्रह्म से प्रथमतः क्या उद्भूत हुआ ?

(1) वायु (2) जल
(3) अग्नि (4) आकाश
(5) अनुत्तरित प्रश्न

121. अचित् के भेद विषयक विशिष्टाद्वैत मत के सन्दर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए :

A. इसके तीन भेद हैं – शुद्धसत्व, मिश्रसत्व, सत्वशून्य
B. शुद्धसत्व का एक दृष्टांत है, काल

(1) केवल A सही है ।
(2) केवल B सही है ।
(3) A और B दोनों सही हैं ।
(4) न तो A और न ही B सही हैं ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

117. Which of the following Upanishads explain Self's stages through A-U-M ?

(1) Mundaka (2) Mandukya
(3) Chandogya (4) Isha
(5) Question not attempted

118. According to Mandana Avidya is not

(1) False Appearance (Maya)
(2) It is not a characteristic (sva-bhava) of Brahmana
(3) It is absolutely non-existent.
(4) It is unspeakable (anirvacaniya)
(5) Question not attempted

119. Satyakam Jabala is sent to the wilds of the forests to tend the teacher's cattle and might cultivate habits of solitary reflection by the

(1) Brihdaranyak Upanishad
(2) Chandogya Upanishad
(3) Aitareya Upanishad
(4) Mandukya Upanishad
(5) Question not attempted

120. According to Taittiriya Upanishad, from that Brahman sprang forth

(1) Air (2) Water
(3) Fire (4) Ether
(5) Question not attempted

121. Consider the following statement about the types of acit in Viśiṣṭādvait :

A. It has three types – Śuddha-Sattva, Miśra-sattva, Sattvaśūnya
B. Time is an example of Suddhasattva

(1) Only A is correct.
(2) Only B is correct.
(3) Both A & B are correct.
(4) Neither A nor B is correct.
(5) Question not attempted

122. जैन दर्शन के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से क्या गलत है ?

(1) मन की कोई स्वायत्त सत्ता नहीं है ।

(2) मन का प्रत्येक प्रकार अनुभव प्रदत्त है ।

(3) मन का कोई प्रकार आत्मा का उपयुक्त पर्याय है ।

(4) वस्तु के प्रत्यक्ष होने का अर्थ है कि आत्मा से उसे वस्तु संबंधी अज्ञान के आवरण का हटना ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

123. जैन दार्शनिक यह अस्वीकार करते हैं कि

(1) तत्त्वज्ञान ही मोक्ष प्रप्ति का एक मात्र साधन है ।

(2) मोक्ष आत्मा की शरीर रहित तथा अनन्तदर्शन, अनन्तज्ञान, अनन्तसुख और अनन्तवीर्य से सम्पन्न अवस्था है ।

(3) मोक्ष की अवस्था सादि अनन्त है ।

(4) मोक्ष की अवस्था में आत्मा का आकार अन्तिम शरीर के आकार के समान होता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

124. अद्वैत मत में सत् के निकष के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिए :

A. त्रिकाल का अर्थ-भूत-वर्तमान भविष्य हो सकता है ।

B. उक्त निकष का मूल माण्डूक्योपनिषद में प्राप्त है ।

कूट :

(1) केवल A सही है ।

(2) केवल B सही है ।

(3) A और B दोनों सही हैं ।

(4) न A और न B सही है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

122. Which among the following is incorrect in the context of Jain philosophical thought ?

(1) Manas is discarded of separate existence.

(2) Each kind of Manas is given in experience.

(3) Some kind of Manas is an appropriate mode of self.

(4) Perception of an object means that the veil of ignorance upon the 'self' regarding the object is removed.

(5) Question not attempted

123. Jain Philosophers reject that

(1) knowledge of tattvas is the only means of attaining liberation.

(2) in liberation soul is disembodied and it has infinite conation, infinite knowledge, infinite energy and infinite bliss.

(3) stage of liberation is with beginning and endless.

(4) in liberation soul has the form similar to last body.

(5) Question not attempted

124. Consider the following statements about the criterion of reality in Advaita :

A. Trikāla may refer to past, present and future.

B. The above criterion may be seen in Māndukya upanishad.

Codes :

(1) Only A is correct.

(2) Only B is correct.

(3) Both A and B are correct.

(4) Neither A nor B is correct.

(5) Question not attempted

950637

125. निम्नलिखित में से किसको ऋत का रक्षक कहा गया है ?

(1) इन्द्र (2) वरुण

(3) मित्र (4) अग्नि

(5) अनुत्तरित प्रश्न

950637

126. ऋग्वेद के दशम मण्डल में उपलब्ध जगत रचना के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन सा प्रथम उद्भूत है ?

(1) विश्व (2) तैजस

(3) प्राज्ञ (4) हिरण्यगर्भ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

127. न्याय के संदर्भ में 'काल के प्रत्यक्ष' के बारे में क्या नहीं कहा जा सकता ?

(1) काल के प्रत्यक्ष होने का अर्थ है कि काल में 'महत्त्व' एवं 'उद्भूतरूपत्व' हो ।

(2) काल सभी प्रत्यक्ष अनुभवों में तुरंत ग्रहण भी होता हो और प्रत्यक्ष भी होता है ।

(3) काल का प्रत्यक्षीकृत रूप-आकार नहीं होता ।

(4) काल का वर्गीकरण महाकाल और खण्डकाल में होता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

128. न्याय के अनुसार निम्नलिखित में से कौन संस्कार का प्रकार नहीं माना गया ?

(1) वेग (2) भावना

(3) स्थितिस्थापकत्व (4) जीवन योनि

(5) अनुत्तरित प्रश्न

125. Who among the following is said to be the custodian of Rta ?

(1) Indra (2) Varuna

(3) Mitra (4) Agni

(5) Question not attempted

126. According to the tenth Mandala of Rigvedic account of creation of the world, which among the following arose first ?

(1) Vishva (2) Taijas

(3) Prajna (4) Hiranyagarbha

(5) Question not attempted

127. What among the following is incorrect in the context of Perception of Time according to Nyaya ?

(1) In order to be perceptible Time must possess a non-infinitesimal dimension (Mahatva) and a manifest form (udbhutarupatva)

(2) Time is immediately apprehended and perceived in all perceptual experiences.

(3) Time lacks a visible form.

(4) Time is divided into infinite (Mahakal) and finite (Khanda kala)

(5) Question not attempted

128. Which among the following is not a Sanskara according to Nyaya ?

(1) Vega (Velocity)

(2) Bhavana (Mental Disposition)

(3) Sthitisthapakatva (Elasticity)

(4) Jivan Yoni (Vital effort)

(5) Question not attempted

129. श्री अरविन्द घोष के अनुसार, निम्नलिखित देवों में से 'इच्छा-शक्ति' का कौन सा देवता है ?

(1) सूर्य (2) अग्नि

(3) सोम (4) मित्र

(5) अनुत्तरित प्रश्न

130. छान्दोग्य उपनिषद के 'श्रद्धा तपः' के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से क्या अनुसूत नहीं होता ?

(1) बन्धन से मुक्त होने के लिए अरण्य-शरण में जाना चाहिए ।

(2) त्याग भाव से आनन्दानुभव करें

(3) श्रद्धा विरक्ति/संन्यास भाव है

(4) अनासक्ति तप है

(5) अनुत्तरित प्रश्न

131. एतरेय उपनिषद किसका अंग है ?

(1) ऋग्वेद (2) यजुर्वेद

(3) सामवेद (4) अथर्ववेद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

132. द्वादशनिदान का सम्बंध है

(1) केवल वर्तमान जीवन से

(2) केवल अतीत जीवन से

(3) केवल भविष्य जीवन से

(4) तीनों जीवनों में से

(5) अनुत्तरित प्रश्न

133. ऋग्वेद संहिता के सन्दर्भ में क्या उपयुक्त नहीं है ?

(1) यह आठ अष्टकों में प्रत्यक्षतः विभाजित है ।

(2) प्रत्येक अष्टक वर्गों में प्रत्यक्षतः विभाजित है ।

(3) प्रत्येक वर्ग दश-मण्डलों में प्रत्यक्षतः विभाजित है ।

(4) प्रत्येक अष्टक, आठ अध्यायों में प्रत्यक्षतः विभाजित है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

129. According to Sri Aurobindo Ghosh, who among the following gods represent 'Will' ?

(1) Surya (2) Agni

(3) Soma (4) Mitra

(5) Question not attempted

130. In the light of Chandogya Upanishad "Shraddha Tapah", which statement among the following would not follow ?

(1) To realize freedom from bondage, one must seek solitude to the forests.

(2) By renunciation one should enjoy.

(3) Faith is asceticism.

(4) Disinterestedness is Tapah

(5) Question not attempted

131. Aitareya Upanishad belongs to

(1) Rigveda (2) Yajurveda

(3) Samaveda (4) Atharvaveda

(5) Question not attempted

132. Dvādasnidānas refer to

(1) Present life alone

(2) Past life alone

(3) Future life alone

(4) All the three lives

(5) Question not attempted

133. What among the following is incorrect about Rigveda Samhita ?

(1) It is directly divided into Eight Ashtakas.

(2) Each Ashtaka is directly divided into Varga.

(3) Each Varga is directly divided into ten Mandala.

(4) Each Ashtaka is directly divided into eight Adhyaya.

(5) Question not attempted

950637

134. भक्तिमार्गीय वेदान्त (रामानुज, मध्व आदि) के अनुसार, मोक्ष का सर्वोच्च स्वरूप निम्न में से क्या है ?

(1) ब्रह्म में आत्मा का लय

(2) आत्मा की ईश्वर के साथ सन्निकटता

(3) आत्मा का शून्यता में विलय

(4) केवल सांसारिक दुःखों का निवारण

(5) अनुत्तरित प्रश्न

135. न्यायवैशेषिक दर्शन के अनुसार मोक्ष

(1) में आत्मा अचेतन होती है ।

(2) आनन्दमय अवस्था है ।

(3) ज्ञान, आनन्द से रहित शुद्ध अनुभूति स्वरूप है ।

(4) वेद विहित नित्य और नैमित्तिक कर्मों के संपादन से प्राप्त होता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

136. उपादान कारण का कार्य रूप में परिवर्तन वास्तविक परिवर्तन न होकर परिवर्तन का आभास मात्र है । यह मत स्वीकार करता है

(1) सांख्य दर्शन

(2) बौद्ध दर्शन

(3) विशिष्टाद्वैत

(4) अद्वैत वेदान्त

(5) अनुत्तरित प्रश्न

137. निम्नलिखित में से कौन अपरोक्ष ज्ञान <u>नहीं</u> है ?

(1) मतिज्ञान

(2) अवधि

(3) केवल

(4) मनःपर्याय

(5) अनुत्तरित प्रश्न

134. According to Bhakti Vedānta (Ramānuja, Madhva etc.), what is the Supreme form of Moksha of the following ?

(1) Dissolution of the soul into Brahman

(2) Proximity of the soul with God

(3) Merging of soul into emptiness

(4) Mere cessation of worldly suffering

(5) Question not attempted

135. According to Nyaya Vaisheshik Philosophy

(1) in liberation soul is unconscious.

(2) liberation is blissful state.

(3) liberation is pure experience with absence of knowledge and bliss.

(4) liberation is achieved through performing Nitya and Naimittic karmas ordered by Vedas.

(5) Question not attempted

136. Change of material cause as a effect is not a real change but it is an appearance of change. This view is of

(1) Sankhya Philosophy

(2) Buddhism

(3) Vishishtadvait

(4) Advait Vedant

(5) Question not attempted

137. Which one of the following is <u>not</u> immediate knowledge according to Jainism ?

(1) Matijṅana

(2) Avadhi

(3) Kevala

(4) Manah Paryāya

(5) Question not attempted

138. 'तुषित लोक' निम्नलिखित में से किस दर्शन से सम्बंधित है ?

(1) जैन दर्शन (2) बौद्ध दर्शन

(3) रामानुज (4) मध्व

(5) अनुत्तरित प्रश्न

139. सही विकल्प चुनिये :

जैन दर्शन के अनुसार एक वस्तु में एक-अनेक, नित्य-अनित्य, सामान्य-विशेष आदि सप्रति पक्षी धर्मों के युगपत् सदभाव को अनेकान्तवाद कहा जाता है	वस्तु की अनन्तधर्मात्मकता अनैकान्त है।
(1) सत्य	सत्य
(2) सत्य	असत्य
(3) असत्य	सत्य
(4) असत्य	असत्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

140. सही उत्तर युग्म चुनिये :

(1) जगत में जो भी सत् है, वह द्रव्य है – जैन दर्शन

(2) द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, विशेष, समवाय और अभाव – ये सात पदार्थ कहलाते हैं – प्रभाकर मीमांसा

(3) द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य, परतन्त्रता, शक्ति सादृश्य और संख्या, इन आठ पदार्थों की सत्ता है – भट्ट मीमांसा

(4) द्रव्य, गुण, कर्म, सामान्य और अभाव इन पाँच पदार्थों की सत्ता है – वैशेषिक दर्शन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

138. 'Tushita Loka' is related to which of the following Philosophy ?

(1) Jainism

(2) Buddhism

(3) Ramanuja

(4) Madhva

(5) Question not attempted

139. Choose correct alternative :

According to Jain Philosophy in one object simultaneous existence of one-many, eternal transitory, universal particular etc. mutually contradictory characteristics is anekantvad.	Anekantvad says that every object has infinite properties
(1) True	True
(2) True	False
(3) False	True
(4) False	False

(5) Question not attempted

140. Choose correctly paired answer :

(1) Whatever is real that is substance – Jainism

(2) Substance, quality, motion, universal, particular, inherence and absence : there are seven Padarthas – Prabhakar Mimamsa

(3) Substance, quality, motion, universal, dependence, power, similarity and number. These eight Padarth as real – Bhatt Mimamsa

(4) Substance, quality, motion, universal and absence, these five Padarthas are existent-Vaisheshik Philosophy

(5) Question not attempted

950637

141. 'शब्द आकाश का गुण है' इस मत को अस्वीकार करता है

(1) जैन दर्शन (2) न्याय दर्शन

(3) भाट्ट मीमांसा (4) प्रभाकर मीमांसा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

142. शंकराचार्य के अनुसार वेदान्त के ज्ञान का अधिकारी होने के लिये व्यक्ति का साधनचतुष्टय से सम्पन्न होना आवश्यक है । इस साधनचतुष्टय में जिस विशेषता का अभाव है, वह है

(1) वेद विहित नित्यनैमित्तिक कर्मों का सम्पादन

(2) नित्य–अनित्य वस्तु विवेक

(3) इहलौकिक और पारलौकिक लोगों से विरक्ति

(4) मुमुक्षुत्व

(5) अनुत्तरित प्रश्न

143. वैशेषिक दर्शन यह स्वीकार नहीं करता कि काल

(1) एक, नित्य और सर्वव्यापी है ।

(2) भूत, भविष्य, वर्तमान, प्राचीन, अर्वाचीन आदि का ज्ञान काल द्वारा होता है ।

(3) काल प्रत्यक्षगम्य है ।

(4) काल का ज्ञान अनुमान से होता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

144. प्रभाकर के अनुसार, सम्बन्ध के प्रकार है/हैं

(1) मात्र संयोग सम्बन्ध

(2) संयोग और समवाय सम्बन्ध

(3) संयोग, समवाय और संयुक्त समवाय सम्बन्ध

(4) संयोग, समवाय, संयुक्त समवाय और संयुक्त समवेत समवाय सम्बन्ध

(5) अनुत्तरित प्रश्न

141. 'Word is a quality of ether' this view is rejected by

(1) Jain Philosophy

(2) Nyaya Philosophy

(3) Bhatt Mimamsa

(4) Prabhakar Mimamsa

(5) Question not attempted

142. According to Shankaracharya only that person can attain the knowledge of Vedant who has prepared the four-fold means. From the following which is not in the four-fold means, that is

(1) to perform the Nitya and Naimittic karmas according to Vedas.

(2) be able to discriminate between what is eternal and what is not eternal.

(3) give up all desires related to enjoyment of objects here and thereafter.

(4) desire of liberation.

(5) Question not attempted

143. Vaisheshik does not accept that time is

(1) one, eternal and all pervasive

(2) knowledge of past, future, present, old, new is based on time.

(3) time is known through perception.

(4) time is known through inference.

(5) Question not attempted

144. According to Prabhakar the types of relation is/are

(1) only conjunction

(2) only conjunction and inherence.

(3) only conjunction, inherence and conjunctional inherence

(4) Conjunction, inherence, conjunctional inherence, conjunctional inhered inherence

(5) Question not attempted

145. निम्नलिखित में से कौन सा लक्षण सांख्य दर्शन की विकास की धारणा से संबंधित नहीं है ?

(1) पदार्थ अविनाशी और शक्ति शाश्वत् है ।

(2) विकास आवर्तकालिक नहीं है ।

(3) विकास प्रयोजनात्मक है ।

(4) उत्पादन केवल पूर्ववर्ती सत्ता का प्रकटीकरण है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

146. न्याय दर्शन के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए ।

a. ईश्वर नित्य परमाणुओं में गति प्रदान कर जगत का निर्माण करता है ।

b. संस्कृत भाषा के शब्दों के अर्थ का निर्धारक ईश्वर है ।

c. जगत् के समस्त पदार्थ ईश्वर के अंश हैं ।

d. ईश्वर की भक्ति मोक्ष प्राप्ति का एकमात्र साधन है ।

सही उत्तर बताइए :

(1) a और b सत्य, c और d असत्य

(2) a और c सत्य, b और d असत्य

(3) b और d सत्य, a और c असत्य

(4) b और c सत्य, a और d असत्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

147. नागार्जुन यह स्वीकार नहीं करते कि

(1) प्रतीत्यसमुत्पाद ही शून्यता है ।

(2) जगत के पदार्थ परस्पर सापेक्ष स्वरूप से युक्त होने के कारण स्वभाव शून्य हैं ।

(3) दो प्रकार के सत्य हैं – संवृत्ति सत्य और परमार्थ सत्य

(4) बुद्ध के उपदेश से परमार्थ सत्य का यथार्थ बोध होता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

145. Which one of the following features is not related to evolution in Samkhya system ?

(1) Matter is indestructible and force is persistent

(2) Evolution is not periodical

(3) Evolution is teleological

(4) Production is only the manifestation of pre-exiting phenomena

(5) Question not attempted

146. Consider the following statements in the context of the Nyaya philosophy :

a. God creates the world by imparting motion in the eternal atoms.

b. God is a determiner of the meanings of the words of Sanskrit language.

c. All objects of the world are parts of God.

d. Worship of God alone is the means of the attainment of liberation.

Point out the correct answer :

(1) a and b true; c and d false

(2) a and c true; b and d false

(3) b and d true; a and c false

(4) b and c true; a and d false

(5) Question not attempted

147. Nagarjuna does not accept that

(1) Pratityasamutpad is shunyata

(2) All objects of world are shunya or void of reality because they have relative nature.

(3) There are two types of truth-empirical truth and transcendental truth.

(4) Buddha's sermon are source of correct knowledge of transcendental truth.

(5) Question not attempted

950637

148. सांख्य कारिका के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिए :

A. ग्रंथ का आरंभ दुःख तत्त्व पर विवेचन से होता है ।

B. गौड़पाद ने उपरोक्त ग्रंथ पर भाष्य लिखा है ।

(1) केवल A सही है ।

(2) केवल B सही है ।

(3) A और B दोनों सही हैं ।

(4) न तो A और न ही B सही है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

149. बौद्धमत तथा इसके निकायों के निम्न कथनों पर विवेचन कीजिए :

A. कुमारलात वैभाषिक मत के सर्वाधिक प्रख्यात आचार्य हैं ।

B. अभिधर्म-कोश-भाष्य वसुबंधु का स्वोपज्ञ है ।

C. त्रिपिटक में सोत्रन्तिक अभिधर्म पिटक को सर्वाधिक महत्त्व देने में

(1) A तथा B सही हैं ।

(2) B तथा C सही हैं ।

(3) केवल B सही है ।

(4) केवल C सही है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

150. सिद्धान्त मुक्तावली के अनुसार कौन से दो अभाव मान्य हैं ?

(1) प्रागभाव एवं ध्वंसाभाव

(2) अन्योन्याभाव एवं संसर्गाभाव

(3) अत्यन्ताभाव एवं ध्वंसाभाव

(4) संसर्गाभाव एवं अत्यन्ताभाव

(5) अनुत्तरित प्रश्न

950637 950637 950637 950637

148. Consider the following about Sāṁkhya – Kārikā :

A. The text begins with reflection on suffering.

B. Gauḍpāda has written bhāṣya on the said text.

(1) only A is correct.

(2) only B is correct.

(3) Both A and B are correct.

(4) Neither A nor B is correct.

(5) Question not attempted

149. Consider the following statements about Buddhism and its schools :

A. Kumāralāta is the most well-known ācārya of Vaibhāṣika-s.

B. Abhi Dharma – Kośa-bhāṣya is swopajña of vasubandhu

C. Sautrāntika-s lay greatest emphasis on Abhidharma Piṭaka of the 3 piṭaka-s

(1) A & B are correct.

(2) B & C are correct.

(3) only B is correct.

(4) only C is correct.

(5) Question not attempted

150. Which among the following, according to Siddhantmuktavali, are the only two forms of Abhava ?

(1) Pragabhava and Dhvamsabhava

(2) Anyonyabhava and Samsargabhava

(3) Atyantabhava and Dhvamsabhava

(4) Samsargabhava and Atyantabhava

(5) Question not attempted

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK